❒ लखनऊ
❒ वर्ष: 22
❒ अंक : 234

RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

❒ प्रातः कालीन संस्करण ❒ शनिवार, 11 अप्रैल 2026 ❒ पृष्ठ : 08 ❒ मूल्य : 2 रुपया

डिजिटल नज़दीकियां, मानवीय दूरियां 04

फिल्म 'महावतार' में विक्की कौशल के साथ नजर आ सकती हैं श्रद्धा कपूर 08

संक्षिप्त खबरें

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अंतरिम राहत दी

हैदराबाद। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को शुक्रवार को अंतरिम राहत दी, जिसके तहत उन्हें एक सप्ताह के लिए अग्रिम जमानत मिल गयी है। न्यायालय ने श्री खेड़ा को निर्देश दिया कि वह इस अवधि के भीतर सक्षम न्यायालय में जाएं और नियमित जमानत याचिका दायर करें। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। श्री खेड़ा ने आरोप लगाया था कि उनके पास तीन देशों के पासपोर्ट हैं और उन्होंने आधिकारिक हलफनामों में अपनी संपत्तियों का विस्तृत खुलासा नहीं किया है। उच्च न्यायालय का अंतरिम आदेश उन्हें अस्थायी सुरक्षा प्रदान करता है और कांग्रेस नेता को संबंधित क्षेत्राधिकार में उचित कानूनी उपाय तलाशने का निर्देश देता है।

बेस्ट कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट श्रेणी में कानपुर मेट्रो को मिला विश्वकर्मा पुरस्कार

कानपुर/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) द्वारा संचालित कानपुर मेट्रो परियोजना को बेस्ट कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट श्रेणी में प्रतिष्ठित सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार यूपीएमआरसी के निदेशक (वर्क्स एवं इंफ्रास्ट्रक्चर) सी.पी. सिंह और कानपुर मेट्रो के परियोजना निदेशक अरविंद मीणा ने प्रबंध निदेशक सुशील कुमार की ओर से ग्रहण किया। समारोह के दौरान सी.पी. सिंह को देश में मेट्रो नेटवर्क के विकास में योगदान के लिए 'अध्यक्ष प्रशंसा पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि टीम की निष्ठा, समर्पण और गुणवत्तापूर्ण कार्य का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉरिडोर-1 (कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता) और कॉरिडोर-2 (सीएसए से बर्रा-8) पर कार्य तेजी से चल रहा है और जल्द ही पूर्ण मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी।

बहराइच में तेंदुये के हमले में महिला घायल

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव क्षेत्र में शुक्रवार को तेंदुए के हमले से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हालांकि वनकर्मियों और ग्रामीणों की तत्परता से महिला की जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मूर्तिहा क्षेत्र के अंतर्गत सुरजीपुरवा गांव निवासी शांति देवी शुक्रवार जंगल के किनारे लकड़ी बीनने गई थीं। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में महिला का बायां हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया, जिसे तेंदुए ने अपने जबड़ों से चबा डाला। महिला की चीख-पुकार सुनकर पास में कार्य कर रहे वनकर्मी और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

एसआईआर में 2.05 करोड़ नाम कटे

उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी, प्रदेश में कुल 13.39 करोड़ मतदाता, 84 लाख मतदाताओं की हुई वृद्धि

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। यूपी में 166 दिन तक चली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद (एसआईआर) प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इस सूची के अनुसार प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। प्रदेश के कुल मतदाताओं में 54.54 प्रतिशत पुरुष, जबकि 45.46 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। इसके पहले, प्रदेश में 27 अक्तूबर 2025 को फ्रीज मतदाता सूची में 15.44 करोड़ मतदाता थे। एसआईआर के बाद प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख मतदाता रह गए हैं। एसआईआर की प्रक्रिया में प्रदेश में दो करोड़ (2.05) करोड़ मतदाता घट गए हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में अंतिम मतदाता सूची की जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार 6 जनवरी को जारी की गई मसौदा मतदाता सूची के सापेक्ष अंतिम मतदाता सूची में कुल 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं वो मतदाता फॉर्म 6 भरकर सूची में शामिल हो सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में 166 दिन तक चली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई। जारी मतदाता सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 4 हजार 206 है। प्रदेश में 18 से 19 आयुवर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या 17 लाख, 63 हजार 360 है। इसमें मतदाताओं में 54.54 प्रतिशत

❒ लखनऊ समेत पांच जिलों में मतदाताओं की सर्वाधिक वृद्धि हुई

पुरुष जबकि 45.46 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं वे मतदाता अभी भी फॉर्म 6 भरकर सूची में शामिल हो सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आज जारी की गयी अंतिम मतदाता सूची में प्रदेश के पांच जिलों में सबसे अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। इनमें प्रयागराज टॉप पर है। प्रयागराज में 3 लाख 29 हजार 421 मतदाता, लखनऊ में 2 लाख, 85 हजार 961 मतदाता, बरेली में 2 लाख 57 हजार 920 मतदाता, गाजियाबाद में 2 लाख 43 हजार 666 मतदाता और जौनपुर में 2 लाख 37 हजार 590 मतदाता बढ़े हैं। इसके अलावा प्रदेश के जिन पांच विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक मतदाता वृद्धि दर्ज की गयी है। उनमें साहिबाद में 82 हजार,जौनपुर में 56 हजार 158 ,लखनऊ पश्चिम में 54 हजार 822,फिरोजाबाद में 47 हजार 557 मतदाता बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि एसआईआर के तहत 6 जनवरी को 12.55 करोड़ मतदाताओं की मसौदा सूची जारी की गई थी। इसके बाद 6 मार्च तक लोगों से इस ड्राफ्ट मतदाता सूची पर सभी प्रकार के दावे व आपत्तियां आंमत्रित की गयी थी, इनमें 86.69 लाख लोगों ने मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के लिए फॉर्म-6 भरा। वहीं 3.18 लाख लोगों ने नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 भरा था। मतदाता सूची में 1.04 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके नाम का मिलान माता-पिता, बाबा-दादी व नाना-नानी से न होने के कारण इन्हें नोटिस दिया गया था। वहीं 2.22 करोड़ लोग तार्किक विसंगति वाले थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया ने बताया कि एसआईआर में भाजपा,समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश व जिला स्तर पर बैठकें हुई हैं और उनमें आयी शिकायतें व ज्ञापनों की सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण शेष पेज 02 पर

जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' से जुड़े एक व्यापक जासूसी और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह मॉड्यूल दिल्ली और उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में बेहद संगठित तरीके से काम कर रहा था। आरोपियों ने सेना के प्रतिष्ठानों सहित कई संवेदनशील स्थानों पर चोरी-छिपे सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, ताकि रणनीतिक गतिविधियों की निगरानी की जा सके। जांच में खुलासा हुआ है कि इन कैमरों की लाइव फीड सिम-आधारित सिस्टम के जरिए सीधे पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को भेजी जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि देश भर में कई स्थानों पर ऐसे कैमरे पाए गए हैं। इससे पहले भी गाजियाबाद में भी इसी तरह के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ था। स्पेशल सेल की जांच में यह भी सामने आया है कि यह नेटवर्क हथियारों की तस्करी में भी लिप्त था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार पिस्तौल, भारी मात्रा में कारतूस, शेष पेज 02 पर

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कार्यरत जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने नौ अप्रैल को अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजा और इसकी एक प्रति उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को भी प्रेषित की है।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने इस पत्र में लिखा, ''मैं आपके गरिमामयी कार्यालय पर उन कारणों का बोझ नहीं डालना चाहता, जिन्होंने मुझे यह कदम उठाने पर विवश किया और मुझे यह पत्र प्रस्तुत करना पड़ रहा है। फिर भी अत्यंत पीड़ा के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से अपना त्यागपत्र दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है।''

गौरतलब है कि वह पहले दिल्ली उच्च न्यायालय में कार्यरत थे और दिल्ली वाले घर में मार्च 2025 में भारी मात्रा में जले नोट मिलने के मामले में जांच के घेरे में आ गये थे। न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से पिछले वर्ष इलाहाबाद भेजा गया था और उन्होंने वहां पांच अप्रैल को पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। उनके खिलाफ आंतरिक जांच चल रही थी और इसी जांच के चलते उन्हें न्यायिक कार्य से अलग रखा गया था। उनके खिलाफ महाभियोग की भी तैयारी की जा रही थी। उच्चतम न्यायालय ने उनके आवास पर जले हुए नोट मिलने के बाद इस मामले की आंतरिक जांच के लिए तीन जजों की एक कमेटी बनाई थी। इसके बाद चार मई को तीन वरिष्ठ जजों शेष पेज 02 पर

बीबीएयू में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे पूर्व राष्ट्रपति

लखनऊ। लखनऊ स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में 11 से 14 अप्रैल तक 'भारतरत्न बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती' एवं विश्वविद्यालय स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इस बार 13 अप्रैल को भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे।

शुक्रवार को विवि में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान विवि के कुलपति प्रो.राज कुमार मित्तल ने बताया कि 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय शिक्षा ही समावेशी विकास का आधार' विषय पर संगोष्ठी आयोजित होगी, जिसमें पूर्व राज्य शिक्षा मंत्री डॉ. संजय पासवान सहित कई शिक्षाविद भाग लेंगे।

टैंकरों से शुल्क लेना बंद करे ईरान : ट्रंप

वार्ता

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले टैंकरों से शुल्क लेना बंद कर दे। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि अमेरिका के साथ युद्धविराम शुरू होने के बाद से किसी भी देश पर मिसाइलें नहीं दागी गईं। अल जजीरा ने यह जानकारी दी।

आईआरजीसी ने कहा कि उसकी सेनाओं ने ''युद्धविराम के बाद अब तक किसी भी देश पर कोई मिसाइल नहीं दागी है।'' बयान में कहा गया कि ड्रोन हमलों की जो भी खबरें आ रही हैं, वे 'निस्संदेह यहूदी दुश्मन या अमेरिका का काम हैं। मंगलवार रात को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ दो सप्ताह के द्विपक्षीय युद्धविराम की घोषणा की थी और इस बात की पुष्टि की थी कि तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर सहमत हो गया है। ईरानी सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इसके बाद संकेत दिया कि ईरान शुक्रवार को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करेगा। ईरानी उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने कहा कि तेहरान पाकिस्तान में अमेरिका के साथ बातचीत को आगे बढ़ा रहा है और उम्मीद करता है कि अमेरिका भी वैसा ही करेगा। इजरायली लड़ाकू विमानों और तोपखाने ने दक्षिणी लेबनान में एक शेष पेज 02 पर

❒ युद्धविराम शुरू होने के बाद से किसी भी देश पर कोई मिसाइल नहीं दागी गई : आईआरजीसी

इज़रायल जल्द लेबनान के साथ सीधी शांति वार्ता शुरू करेगा : नेतन्याहू

तेल अवीव/नयी दिल्ली। इज़रायल लेबनान के साथ ''जितनी जल्दी हो सके'' सीधी शांति वार्ता शुरू करेगा, जिससे अमेरिका-ईरान के बीच हुई नाज़ुक युद्धविराम संधि को कायम रहने का मौका मिलेगा। इज़रायली मीडिया के अनुसार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को यह घोषणा की। इज़रायली वायु सेना द्वारा लेबनान में हिज़्बुल्लाह पर हमला किए जाने के बाद यह नाज़ुक शांति प्रक्रिया अधर में लटक गई थी। अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार इज़रायली हमले में लगभग 300 लोग मारे गए थे। हिज़्बुल्लाह पर इज़रायली हमलों के बाद ईरान ने चेतावनी दी थी कि इन हमलों ने बातचीत को ''बेमानी'' बना दिया है। इस बात को लेकर युद्धविराम संधि संकट में थी कि क्या लेबनान भी इन वार्ताओं का एक विषय है। जहाँ ईरान ने कहा कि वह इन वार्ताओं का हिस्सा है, वहीं इज़रायल और अमेरिका ने इससे इनकार कर दिया।

नाव यमुना में पलटी, 10 श्रद्धालुओं की मौत

प्रभात समय संवाददाता

मथुरा। लुधियाना पंजाब से वृंदावन आए 30 श्रद्धालुओं से भरी नाव पंटून पुल से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। इस हादसे में दस श्रद्धालुओं की मौत हो गई। गोताखोरों की मदद से 15 लोगों को बचा लिया है। इनमें से एक श्रद्धालु को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। इस हादसे पर उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है।

बताया गया कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से वृंदावन आया था। शुक्रवार लगभग तीन बजे यह लोग नाव में बैठकर यमुना नदी में सैर कर रहे थे। तभी केसी घाट पर इन्हीं श्रद्धालुओं की एक नाव पंटून पुल से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। पुलिस और गोताखोरों ने नदी में डूबे लोगों को बचाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया। नाव पनटने की सूचना मिलते ही दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे की खबर पर डीएम, शेष पेज 02 पर

यूपी आपदा प्रबंधन पर खर्च होंगे 410 करोड़ : मुख्य सचिव

प्रभात समय संवाददाता

❒ आपदा प्रबंधन प्राधिकरण समिति की बैठक में फैसला

❒ बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों को तुरंत मुआवजा मिले

लखनऊ। यूपी में आने वाली आपदाओं से निपटने के लिए 410 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इससे प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारी की जाएगी और बेमौसम बारिश से फसलों के नुकसान पर किसानों को तुरंत मुआवजा दिया जाएगा। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की राज्य कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक में यह फैसला हुआ। मुख्य सचिव ने बैठक में आपदा प्रबंधन संबंधित 31 परियोजनाओं को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएं और बेहतर की जाएं। आपदा से बचाव संबंधी योजनाओं को समय से पूरी की जाएं।

असमय आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति पूरी तैयारी रखी जाए, ताकि आम जनमानस को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही, बेमौसम बारिश के कारण फसल क्षति से प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। स्वीकृत परियोजनाओं में मानव-वन्यजीव द्वंद्व को कम करने के लिए 34.75 करोड़ रुपये, अयोध्या में बाढ़ शरणालय के निर्माण 19.31 लाख तथा वाराणसी के घाटों पर फ्लोटिंग बैरियर निर्माण पर 5.28 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बाढ़ प्रभावित 44 जिलों की तहसीलों में रबराइज्ड मोटर बोट की खरीद पर 40 करोड़, ग्राम स्तर पर आपदा प्रबंधन योजनाएं तैयार करने पर 43.45 करोड़, बाल तरणवीर कार्यक्रम पर 7.5 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा नगर निगम कार्मिकों के प्रशिक्षण शेष पेज 02 पर

मुख्यमंत्री ने कॉर्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया की सीएसआई कांफ्रेंस का शुभारंभ किया

स्मार्टफोन की लत और सुस्त जीवनशैली, दिल पर भारी : योगी

प्रभात समय संवाददाता

❒ पहली बार अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी पहुंचे सीएम, जाहिर की खुशी

लखनऊ। दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। कम उम्र के लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। इसकी बड़ी वजह बेढंगी जीवनशैली व खान-पान है। अब न हमारे उठने का समय तय है, न सोने का। शारीरिक गतिविधियां घटी हैं। नियमित कसरत छोड़ लोग आराम पसंद हो गए हैं। हर व्यक्ति के चार से पांच घंटे स्मार्टफोन में खप रहे हैं। नतीजतन लोग दिल, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों की गिरफ्त में आ रहे हैं।

शुक्रवार को यह गंभीर चिंता मुख्यमंत्री योगी ने जाहिर की। अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रेक्षागृह में पहली बार कार्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया की तरफ से नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल (एनआईसी) का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। उन्होंने कहा कि नौ-10 साल पहले यूपी बीमारू राज्य था। अब ग्रोथ इंजन के रूप में तरक्की की राह पर है। भारत नई प्रतिस्पर्धा के साथ खड़ा। इलाज के खर्च की चिंता कम हुईमुख्यमंत्री ने कहा कि नॉन कम्युनिकेबल डीजीज के बढ़ते मामले चिंता का विषय हैं। भारत में प्राचीन काल से समय पर सोना, जागना, पौष्टिक भोजन लेना, यह सब स्वस्थ्य दिनचर्या का हिस्सा था। समय तेजी से बदल रहा है। लोग देर रात तक जाग रहे हैं। फास्ट फूड व डिब्बा बंद भोजन पसंद कर रहे हैं। उसके परिणाम सबके सामने हैं। बीमारी घेर रही है। हमारे सामने चुनौतियां खड़ी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंता से निपटने के दो रास्ते हैं। पहला बचाव व दूसरा इलाज। बचाव पक्ष पर अधिक काम करने की जरूरत है। चुनौतियों से निपटने के लिए जीवनशैली बदलें। सरकार इलाज व जागरूकता फैलाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। आठ से 10 साल पहले यदि कोई गंभीर बीमारी की चपेट में आता था तो परिवार पैसे की चिंता करता था। विशेषज्ञ डॉक्टर व मेडिकल संस्थानों की कमी थी। अब दोनों ही समस्याओं को हल किया जा रहा है। मुफ्त इलाज के दायरे में शिक्षक, रसोड्या भीसीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना शुरू की गई। भारत के 55 से 60 करोड़ लोगों को हर साल आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है। यूपी में आयुष्मान के दायरे में न आने वालों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल कर स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा बढ़ाया गया है। शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, स्कूल के रसोइया, आशा व एएनएम को योजना के दायरे में लाया गया है। वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष से 1400 करोड़ रुपये इलाज के लिए उपलब्ध कराए गए। सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर शिकंजामुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर सरकार फंदा डाल रही है। यूपी में ऐसे लोग थे जिनके पास एक भी गाय-भैंस नहीं थी, लेकिन हजारों टन खोया और पनीर की आपूर्ति का दम रखते थे। पिछले साल दीपावली में ऐसे लोगों की सूची तैयार कराई गई। बड़े पैमाने पर सुबह चार बजे एक साथ छापेमारी कराई।

हजारों कुंतल मिलावटी खोया व पनीर बरामद किया गया। ऐसे लोगों की पहचान व छापेमारी का अभियान जारी है। बीमार भारत आत्मनिर्भर व सशक्त नहीं हो सकतादिल, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर समेत दूसरी बीमारियों ने चुनौती खड़ी कर दी है। अभी भी गरीब मेहनतकश को दिल की बीमारी कम होती है। लेकिन हो गई तो उसका इलाज पर आने वाले खर्च की फिक्र करने की जरूरत नहीं है। इलाज तो मुफ्त मिल सकता है लेकिन इंसान की कार्यक्षमता कैसे बचाई जा सकती है? उसे बढ़ाना कठिन कार्य है। लिहाजा सेहत को लेकर अभी से चौकन्ने हो जाएं। स्वस्थ नगरिक से ही स्वस्थ समाज बनेगा। सशक्त भारत के निर्माण के लिए अच्छी सेहत जरूरी है। बीमार भारत शेष पेज 02 पर

डेनमार्क के राजदूत ने मुख्यमंत्री योगी से की भेंट निवेश व तकनीकी सहयोग पर बनी सहमति

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को उनके सरकारी आवास पर भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमस अबिल्डगार्ड क्रिस्टेंशन ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश में निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग तथा विभिन्न क्षेत्रों में संभावित साझेदारी को लेकर व्यापक और सकारात्मक चर्चा हुई।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जहां निवेशकों के लिए पारदर्शी नीतिगत वातावरण, मजबूत कानून-व्यवस्था और आधुनिक आधारभूत संरचना उपलब्ध है। उन्होंने डेनमार्क की कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार हर निवेशक को आवश्यक सहयोग, सरल प्रक्रियाएं और सुरक्षित निवेश वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने डिफेंस कॉरिडोर, नवीकरणीय ऊर्ज़ा, वेस्ट-टू-एनर्जी, जल प्रबंधन, स्किल डेवलपमेंट, अवस्थापना विकास और हेल्थ केयर जैसे क्षेत्रों में डेनमार्क के साथ साझेदारी को अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से प्रदेश में रोजगार सृजन, तकनीकी हस्तांतरण और सतत विकास को नई गति मिलेगी। राजदूत रासमस क्रिस्टेंशन ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में हुए व्यापक बदलावों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहले निवेश के लिहाज से उत्तर प्रदेश का उल्लेख सीमित था, लेकिन अब यह राज्य निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा है। प्रदेश की बड़ी आबादी, कुशल मानव संसाधन और मजबूत होती आधारभूत संरचना इसकी प्रमुख ताकत हैं। राजदूत ने विशेष रूप से डिफेंस कॉरिडोर में रुचि व्यक्त करते हुए कहा कि रक्षा क्षेत्र में डेनमार्क का समृद्ध अनुभव है और इस क्षेत्र में वहां की कंपनियां उत्तर प्रदेश में निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए उत्सुक हैं। इसके साथ ही वेस्ट-टू-एनर्जी और स्वच्छ ऊर्ज़ा के क्षेत्र में भी सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सौर ऊर्ज़ा, वेस्ट-टू-एनर्जी और हाइड्रोजन तकनीकों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है, जिसमें डेनमार्क की कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। जल प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने आईआईटी (बीएचयू) के साथ नदी पुनरुद्धार और जल शोधन परियोजना पर चल रहे कार्य की जानकारी दी और शीघ्र ही वाराणसी दौरे की बात कही। राजदूत ने शिक्षा और कौशल विकास को भी सहयोग का अहम क्षेत्र बताते हुए कहा कि इससे नॉलेज ट्रांसफर को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, एल्डरली हेल्थ केयर सेक्टर में बढ़ती वैश्विक मांग को देखते हुए उत्तर प्रदेश के युवाओं को भाषा प्रशिक्षण और कौशल प्रदान कर अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने की इच्छा जताई। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी दोनों पक्षों ने सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। राजदूत ने कहा कि कृषि-तकनीक, फूड प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में संयुक्त प्रयासों से टिकाऊ कृषि और वैल्यू-एडेड फूड उत्पादों को बढ़ावा दिया जा सकता है।

रात में बैलेंस खत्म होने पर नहीं कटेगी बिजली, अवकाश में भी मिलेगी राहत: शर्मा

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बढ़ती गर्मी को देखते हुए बिजली आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए ऊर्ज़ा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा है कि स्मार्ट मीटर का बैलेंस रात में समाप्त होने पर बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। साथ ही अवकाश के दिनों में भी किसी उपभोक्ता का कनेक्शन विच्छेदित नहीं किया जाएगा, जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो।

श्री शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में यूपीपीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक समेत सभी डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याएं प्रमुख मुद्दा रहीं। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी रणनीति अपनाई जाए और उपभोक्ताओं के बीच किसी प्रकार की भ्रांति न रहे। इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया।

उन्होने कहा कि जनता सर्वोपरि है और विद्युत व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध सेवा देना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को समय रहते बैलेंस समाप्त होने की सूचना दी जाए और स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए अलग काउंटर स्थापित किए जाएं, ताकि समस्याओं का शीघ्र निस्तारण हो सके।

ऊर्ज़ा मंत्री ने गर्मी के मौसम में बढ़ती मांग को देखते हुए ट्रांसफार्मर, फीडर और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं को मजबूत करने तथा क्षमता वृद्धि के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने पर भी जोर दिया।

केमिकल और साइड इफ़ेक्ट-फ्री इलाज से जुड़ें आमजन : दयालु

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्रा दयालु ने प्रदेशवासियों से केमिकल और साइड इफ़ेक्ट-फ्री उपचार पद्धतियों को अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में सुरक्षित, प्रभावी और प्राकृतिक इलाज की मांग तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में होम्योपैथी एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभर रही है।

शुक्रवार को विश्व होम्योपैथी दिवस (10 अप्रैल) के अवसर पर अपने संदेश में मंत्री ने होम्योपैथी की उपयोगिता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक उपचार पद्धति नहीं, बल्कि शरीर की आंतरिक रोग-प्रतिरोधक क्षमता को सशक्त बनाने का माध्यम भी है।

उन्होंने बताया कि होम्योपैथी का मूल सिद्धांत सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटर है, जिसका अर्थ है—जैसा रोग, वैसी ही दवा। यह सिद्धांत रोग को जड़ से समाप्त करने की दिशा में कार्य करता है और शरीर को संतुलित रूप से स्वस्थ बनाने में सहायक होता है।

आयुष मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में लोग साइड इफ़ेक्ट-फ्री और केमिकल-फ्री उपचार की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षित, सरल और प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आई है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे होम्योपैथी के प्रति जागरूकता बढ़ाएं और प्राकृतिक जीवनशैली को अपनाते हुए स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

होम्योपैथी एक सुरक्षित, प्रभावी और समग्र चिकित्सा प्रणाली : ब्रजेश पाठक

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि सैमुअल हैनीमैन द्वारा विकसित होम्योपैथी एक सुरक्षित, प्रभावी और समग्र चिकित्सा प्रणाली है। उन्होंने डॉ. उमंग खन्ना के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में उनके द्वारा किया गया निःशुल्क उपचार और दवा वितरण समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

शुक्रवार को सैमुअल हैनीमैन की 271वीं जयंती के अवसर पर लखनऊ कन्वेंशन सेंटर में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से लगभग 1000 होम्योपैथिक चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में होम्योपैथी ऽ द लेगेसी ऑफ इंडिया पुस्तक का विमोचन किया गया और एक विशेष एआई फिल्म का प्रदर्शन हुआ, जिसमें होम्योपैथी के सिद्धांतों की भारतीय परंपरा से जुड़ाव को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम में विषमेव विषभस्य औषधिम् के सिद्धांत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया, जिसे होम्योपैथी में सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटर कहा जाता है, अर्थात समान से समान का उपचार। वक्ताओं ने बताया कि यह पद्धति शरीर की प्राकृतिक उपचार क्षमता को सक्रिय कर समग्र स्वास्थ्य प्रदान करती है।

लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि भारत के प्राचीन ज्ञान को वैश्विक स्तर पर पुनर्स्थापित करने का समय आ गया है। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर देश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में पुनः विश्व गुरु बनाने का संकल्प लें।

विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों और सैन्य अभियानों में भी होम्योपैथिक औषधियां उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। अन्य वक्ताओं ने भी विश्व स्वास्थ्य संगठन के संदर्भ में होम्योपैथी को प्रमुख पूरक चिकित्सा प्रणाली बताया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी समां बांधा। पीहू द्विवेदी, कृतिका कलांगन और स्तुति खन्ना के कथक नृत्य तथा 'द रागनेस बैंड' के गायन ने उपस्थित चिकित्सकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

डा निशांत पाण्डेय को डीएम ने किया सम्मानित

प्रभात समय संवाददाता

बलरामपुर । बलरामपुर निवासी डॉ निशांत पाण्डेय पेशे से आईटी प्रोफ़ेशनल और सोशल वर्कर है लेकिन लेखन के दिशा में एक बेहतर कार्य किया है। डॉ. निशांत पांडे की नई पुस्तक 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (एआई) इन दिनों चर्चा में है। यह किताब एआई जैसे जटिल विषय को सरल भाषा में प्रस्तुत करती है और तीन श्रेणियों में इंटरनेशनल बेस्टसेलर का दर्ज़ा हासिल कर चुकी है। डॉ. निशांत पांडे ने बहुआयामी कार्यों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई और जिले का नाम रौशन किया। उनकी यह पुस्तक विशेष रूप से एआई के बढ़ते प्रभाव और उसके सही उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से लिखी गई है। जिसको लेकर बलरामपुर महोत्सव 2026 में डीएम डॉ विपिन कुमार जैन, नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, सीडीओ, ने सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके अलावा डॉ. निशांत पांडे को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'नेताजी स्मृति पुरस्कार 2025' सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इसके अतिरिक्त, 'हाइट ऑफ सक्सेस' द्वारा उन्हें 'राइजिंग स्टार' के रूप में नामित किया गया है। फैज़ाबाद मैजिक बुक में बेस्ट एचिवर अवार्ड मिला। 'लेजेंडरी पीस अवार्ड काउंसिल' और 'मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड ग्लोबल आइकन अवार्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उनके योगदान की सराहना की गई है।

चलती ट्रेन में चोरी का प्रयास नाकाम

आरपीएफ ने आरोपी को दबोचा, महिला को मिला सामान वापस

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देश और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त एस. रामकृष्णन के नेतृत्व में रेलवे सुरक्षा बल लगातार रेल संपत्ति की सुरक्षा, यात्रियों की सुरक्षा और मानव तस्करी रोकने के अभियान चला रहा है।

इसी क्रम में गाड़ी संख्या 18182 थावे-टाटानगर एक्सप्रेस के प्लेटफार्म संख्या 4 पर आगमन के दौरान एक बड़ी चोरी की घटना को समय रहते विफल कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, महिला यात्री उर्मिला कुंवर ट्रेन में चढ़ रही थीं, तभी आरोपी सोनू कुमार माली उनका सोने का

जीउतिया माला, एक जोड़ी कान की बाली सहित अन्य सामान लेकर भागने लगा। महिला के शोर मचाने पर आरपीएफ और जीआरपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

इस संयुक्त कार्रवाई में उपनिरीक्षक संजय कुमार राय, सहायक उपनिरीक्षक विजय रंजन मिश्र, हेड कांस्टेबल रामसूरत यादव सहित अन्य जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आरोपी के पास से लगभग 50 हजार रुपये मूल्य का सामान बरामद कर पीड़ित महिला को पहचान के बाद वापस सौंप दिया गया। आरोपी सोनू कुमार माली को आगे की कार्रवाई के लिए राजकीय रेल पुलिस को सौंप दिया गया है। सामान वापस मिलने पर महिला यात्री ने

बौद्ध सर्किट बनेगा यूपी की आध्यात्मिक राजधानी का आधार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को अब बौद्ध सर्किट नई गति देने जा रहा है। सारनाथ से कुशीनगर और श्रावस्ती से कपिलवस्तु तक फैला यह आध्यात्मिक गलियारा अब वैश्विक पर्यटन, निवेश और सांस्कृतिक कूटनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रदेश के बौद्ध स्थलों पर बढ़ती पर्यटकों की संख्या इस सर्किट की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। वर्ष 2025 में कौशाम्बी, संकिसा समेत छह प्रमुख स्थलों पर 82 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे। इन स्थलों को बेहतर सड़क और हवाई कनेक्टिविटी, डिजिटल सुविधाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पर्यटन सेवाओं से जोड़ा जा रहा है।

धनंजय सिंह पर जानलेवा हमले के 24 वर्ष बाद जल्द आ सकता है बड़ा फैसला

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत में शुक्रवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी दलीलें रखीं। पूरी सुनवाई अंतिम चरण में पहुंचने के कारण इस प्रकरण में जल्द ही बड़ा फैसला आने की उम्मीद जताई जा रही है। अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी।

प्रकरण के अनुसार, 4 अक्टूबर 2002 को तत्कालीन विधायक और पूर्व सांसद धनंजय सिंह अपने साथियों के साथ जौनपुर लौटते समय जानलेवा हमला हुआ था। आरोप है कि वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर स्थित टकसाल सिनेमा हाल के समीप बोलेरो से उतरे अभय सिंह और उनके साथियों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। हमले में धनंजय सिंह, उनके चालक, गनर समेत अन्य लोग घायल हो गए थे। हमलावर मौके से फरार हो गए थे। वर्तमान में गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह इस घटना के मुख्य आरोपी हैं। कुछ लोगों का नाम साक्ष्य न होने की वजह से पत्रावली में नहीं है।

धनंजय सिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार को नजीरें दाखिल हो जाएंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक हफ्ते के अंदर इस प्रकरण पर फैसला हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें न्यायालय के समक्ष रखीं।

धनंजय सिंह ने कहा, 24 वर्ष पूर्व मेरे साथ यह घटना घटी थी। अंधाधुंध फायरिंग की गई थी और चार-पांच लोग घायल हुए थे। 2013 से गवाहियां शुरू हुईं, लेकिन दूसरा पक्ष भागता रहा। अब उम्मीद जगी है कि जल्द न्याय मिलेगा।

पेज एक का शेष...

एसआईआर में ...

किया गया, इतना ही नहीं इन दलों ने अपने अपने कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल एजेंट के रूप में नियुक्त किया था, इन्होंने बूथ स्तर पर एसआईआर से जुड़े कार्यों को लेकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

जासूसी नेटवर्क का ...

मोबाइल फोन और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह मॉड्यूल पंजाब में ग्रेनेड हमलों को अंजाम देने की साजिश रच रहा था, जिसे समय रहते विफल कर दिया गया। यह नेटवर्क आर्थिक रूप से कमजोर और अनपढ़ लोगों को पैसों का लालच देकर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के काम में इस्तेमाल करता था। कैमरे लगाने के वीडियो और तस्वीरें सीमा पार साझा की जाती थीं। हथियारों की तस्करी से मिलने वाले धन का उपयोग इस जासूसी नेटवर्क को वित्तपोषित करने के लिए किया जा रहा था। अपर पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल) प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि इस मॉड्यूल के अधिकांश सदस्यों के तार दिल्ली और पंजाब से जुड़े हैं। दिल्ली से गिरफ्तार किए गए आरोपी हथियारों की खेप प्राप्त करने और उनकी तस्करी में सक्रिय थे। पुलिस इसे एक बड़ी कामयाबी मान रही है क्योंकि इससे एक बड़ी आतंकी साजिश टल गई है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश के लिए सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

इलाहाबाद उच्च...

के इस पैनल ने अपनी रिपोर्ट उस समय के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना को सौंप दी थी। अगस्त में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय पैनल गठित किया था। इस समिति के सदस्यों में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार, बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता वासुदेव आचार्य शामिल हैं। श्री बिरला ने यह जांच समिति तब बनाई थी, जब लोकसभा के 146 सदस्यों ने न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए महाभियोग का प्रस्ताव पेश किया। जांच समिति के सामने नौ अहम गवाह पेश किए जा चुके थे। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने नौ अप्रैल को राष्ट्रपति को इस्तीफा भेजा और 10 अप्रैल को यह सार्वजनिक हुआ। उन्हें 10 से 14 अप्रैल के बीच अपना पक्ष रखना था। विधिक मामलों के जानकार सूत्रों का कहना है कि यशवंत वर्मा के इस्तीफा देने के बाद उनके खिलाफ चल रही महाभियोग की प्रक्रिया अब खत्म हो जाएगी।

नाव यमुना में पलटी...

एसएसपी और डीआईजी ने मौके पर जायजा लिया और गंभीर लोगों को अस्पताल पहुंचाया। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। मथुरा डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने वृंदावन नाव हादसे में 10 लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि पांटून पुल से टकराने के कारण नाव के पलटने की सूचना है। इस मामले में नाव में सवार लोगों की सही संख्या की जानकारी ली जा रही है। इसके लिए नाव में सवार लोगों से बातचीत की जा रही है। 25 से 27 लोगों के नाव में सवार होने की बात कही जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने बताया स्थानीय गोताखोरों की मदद से राहत कार्य जारी है। एनडीआरएफ और सेना को भी बुलाया गया है। अस्पतालों को भी अलर्ट कर दिया गया है। सभी का मुफ्त में इलाज कराया जायेगा। एसडीएम ऋतु सिरोही ने हादसे की वजह नाव पर ओवरलोड बताया। उन्होंने कहा कि नाव पर जरूरत से ज्यादा लोग सवार थे। अब तक 10 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने जताया दुखहादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा कि जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

टैंकरों से शुल्क...

दर्जन से अधिक बस्तियों को निशाना बनाया, जिसमें टायर शहर भी शामिल था। श्री ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि लेबनान पर इजरायली हमलों को रोकना अमेरिका-ईरान युद्धविराम समझौते का हिस्सा नहीं है। ईरान ने हालांकि इन हमलों को युद्धविराम समझौते का उल्लंघन माना। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार सोशल मीडिया पर कहा, ''ऐसी खबरें हैं कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले टैंकरों से शुल्क ले रहा है - उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए और अगर वे ऐसा कर रहे हैं, तो तुरंत बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह हमारे समझौते के अनुरूप नहीं है।'' उन्होंने शुल्क का विवरण नहीं दिया। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' पर जमकर हमला बोलते हुए श्री ट्रंप ने इसे ''दुनिया के सबसे खराब और सबसे गलत संपादकीय बोर्डों में से एक'' बताया, क्योंकि जर्नल ने कहा था कि ट्रंप ने ईरान में ''समय से पहले जीत'' की घोषणा कर दी है। राष्ट्रपति ने आगे कहा, ''दरअसल, यह एक जीत है, और इसमें समय से पहले की कोई बात नहीं है।'' उन्होंने दावा किया कि उन्हीं की वजह से ''ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा। श्री टंप ने कहा, ''बहुत जल्द आप देखेंगे कि तेल की आवाजाही शुरू हो जायेगी, चाहे ईरान की मदद से हो या उसके बिना, और मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। श्री ट्रंप ने कहा कि वॉल स्ट्रीट जर्नल हमेशा की तरह ''अपनी कही बात को वापस लेने के लिए मजबूर होगा।'' उन्होंने कहा कि यह अखबार आलोचना करने में तो हमेशा तत्पर रहता हैं, लेकिन अपनी गलती स्वीकार नहीं करता।

यूपी आपदा प्रबंधन...

देने पर 5.18 करोड़, नागरिक सुरक्षा विभाग के स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण पर 14.62 करोड़ तथा होमगार्ड्स को आपदा परिस्थितियों में बचाव कार्यों के लिए प्रशिक्षित करने पर 8.23 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू ने एक-एक परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा।

स्मार्टफोन की लत और...

विकसित, सशक्त व आत्मनिर्भर नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने अच्छी सेहत के लिए टिप्स दिएमुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सेहत के लिए खुद ही संजीदा रहने की जरूरत है। खानपान की आदतें सुधारें। फास्टफूड से तौबा करें। घर की बनी पौष्टिक वस्तुओं का ही सेवन करें। योग करें। समय पर जागने की आदत डालें। नियमित कसरत करें। स्मार्ट फोन का इस्तेमाल रात में न करें। दिन में भी फोन का जरूरत पर ही प्रयोग करें। डॉक्टर सेहत के प्रति जागरूक करने का बीड़ा उठाएं। प्रचार प्रसार करें। इसका समाज पर प्रभाव अधिक पड़ेगा। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित घोष, अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अमित देवगन, लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. ऋषि सेट्ठी, सीएसआई के अध्यक्ष डॉ. धीमान कहाली, साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. हरेंद्र कुमार बाली, पीजीआई कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आदित्य कपूर, डॉ. सतेंद्र तिवारी, डॉ. शरद चन्द्रा, डॉ. गौरव चौधरी डॉ. अखिल शर्मा समेत अन्य डॉक्टर मौजूद रहे। सस्ते इलाज के लिए डिवाइस और फार्मा पार्कमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में इलाज से जुड़े उपकरणों का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए डिवाइस पार्क तैयार किया जा रहा है। आईआईटी के इंजीनियर व डॉक्टर शोध के बाद डिवाइस तैयार करेंगे। उसके बाद डिवाइस का निर्माण कराया जाएगा। इसी प्रकार दवाओं के लिए फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। इसमें दवाओं पर काम होगा, जिससे इलाज सस्ता व सुलभ होगा। मेडिकल संस्थान की संख्या को मिली रफ्तार 10 साल पहले यूपी में 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। मौजूदा समय में केंद्र व राज्य सरकार के 81 मेडिकल कॉलेज, दो एम्स का संचालन किया जा रहा है। हर जिले में आईसीयू का निर्माण किया है। बहुत से अस्पतालों को कैथलैब से लैस किया गया है। निजी क्षेत्र में सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल का निर्माण किया जा रहा है। लखनऊ में पीजीआई, केजीएमयू, लोहिया संस्थान में टेली आईसीयू व टेली कन्सल्टेशनी की सुविधाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। एक रात ईसीजी भी नसीब नहीं था, अब बचा रहा जीवनभरे सभागार में लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग के डॉ. शरद चन्द्रा ने कहा कि उनका स्वर सिर्फ एक डॉक्टर का नहीं, बल्कि एक बेटे का भी है, जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था की सीमाओं को बहुत करीब से महसूस किया था। उन्होंने वर्ष 2005 की एक घटना साझा की। उन्होंने बताया कि दिसंबर की एक रात करीब 10 बजे चंदौसी स्थित उनके घर से पिताजी का फोन आया।

पांच लुटेरे गिरफ्तार, सरगना सहित तीन फरार

आठ लुटेरों ने कलेक्शन एजेंट से लूटे थे 75 लाख

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। विभूतिखंड क्षेत्र के सेवी ग्रैंड होटल के पास पांच अप्रैल 2826 की देर शाम गुजरात निवासी कलेक्शन एजेंट निकुल सिंह जडेजा को धक्का देकर 75 लाख रुपए लूटने वाले पांच लुटेरों को डीसीपी पूर्वी की क्राइम टीम, सर्विलांस व इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह की संयुक्त टीम ने शुक्रवार कठौता झील के पास गिरफ्तार किया है। जबकि इस गिरोह के सरगना सहित तीन बदमाश अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। पुलिस टीम ने इनके पास से 45 लाख रुपए की नकदी व घटना में इस्तेमाल स्कार्पियो बरामद हुई है।

डीसीपी पूर्वी डॉ दीक्षा शर्मा के मुताबिक पकड़े गए पांचों लुटेरों ने पूछताछ में अपना नाम सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के माढरमऊ गांव निवासी अतुल कुमार रावत पुत्र रूद्र कुमार रावत, कैट थाना क्षेत्र के पिपराघाट दिल कुशा निवासी विशाल सिंह पुत्र स्व लल्लन सिंह, इंदिरा नगर थाना क्षेत्र स्थित बादशाह खेड़ा तकरोही गांव निवासी राहुल यादव पुत्र ओमप्रकाश यादव, उपरोक्त निवासी आकाश यादव पुत्र राम किशोर यादव व विभूतिखंड थाना क्षेत्र स्थित तख्वा विराज खंड पांच गोमतीनगर निवासी अमित कुमार गुप्ता पुत्र स्व सर्वेश कुमार गुप्ता बताया।

डीसीपी पूर्वी डॉ दीक्षा शर्मा का कहना है कि आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से चिन्हित बदमाशों ने अपना जुर्म इक़बाल करते हुए कहा ये लोग अपने तीन साथियों सुमित, राजकुमार व सलमान के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था।

डीसीपी पूर्वी डॉ दीक्षा शर्मा के मुताबिक गिरफ्तार राहुल यादव ने बताया कि वह होटल में ड्राइवर और वह अलग-अलग जिलों में जाकर होटल/बिजनेस का पैसा कलेक्ट करता है। आरोपित राहुल कई सालों से इस काम को कर रहा था कि मोटी रकम देख इसकी नीयत डमाडोल हो

❑ सेवी ग्रैंड होटल के पास हुई लूट का मामला, 45 लाख रुपए की नकदी व घटना में इस्तेमाल स्कार्पियो बरामद

गई और उसने अपने चचेरे भाई आकाश यादव के साथ लूटपाट करने की योजना बना डाला। आकाश ने अपने मित्र सलमान जो जमीन कारोबारी के यहां दलाली करता है, मुख्य आरोपित राजकुमार, सुमित व विशाल के साथ मिलकर योजना बनाई और कलेक्शन एजेंट निकुल सिंह जडेजा पांच अप्रैल की देर शाम जैसे ही होटल से निकले कि स्कार्पियो पर सवार होकर सभी लुटेरों ने श्री जडेजा को धक्का मारकर नोटों से भरा बैग लूट ले गए थे। हालांकि शुरुआती दौर में हवाला से जुड़ा मामला सामने आया था। इस मामले में डीसीपी पूर्वी डॉ दीक्षा शर्मा ने बताया कि कई बिंदुओं पर गहनता से छानबीन की जा रही है।

वैक्सीन लगने के पांच दिन बाद नवजात की मौत

प्रभात समय संवाददाता

माल, लखनऊ। टीकाकरण के पांच दिन बाद नवजात बच्चे की मौत हो गयी। परिवार ने एएनएम द्वारा टीका लगाते की बच्चे की नाक से खून निकलने का आरोप लगाया। माल सीएचसी अंतर्गत गहदौ सब सेंटर में कार्यरत एएनएम रमाकांती मौर्य ने गत छह अप्रैल को टीका लगाया था। जिसकी शुक्रवार 10 अप्रैल प्रातः साढ़े छह बजे मौत हो गयी। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। यही नहीं गांव के आधा दर्जन टीका लगाए मासूमों की तबियत बिगड़ गयी है। जिससे ग्रामीणों में एएनएम और सीएचसी के जिम्मेदारों के प्रति आक्रोश है। गहदौ गांव में गत सोमवार छह अप्रैल को एएनएम द्वारा मासूम बच्चों का टीकाकरण किया गया था। जिससे साहिल के दो माह के बेटे उमर सहित आधा दर्जन नौ निहालों को एएनएम द्वारा पेंटा नामक वैक्सीन लगाई गयी थी, लेकिन पीड़ित साहिल दंपत्ति का आरोप है कि मेरे बेटे को वैक्सीन लगने के तुरंत बाद नाक से ब्लड आ गया था तो मैने एएनएम से आपत्ति की थी तो उन्होंने कहा कि वैक्सीन की वजह से नहीं कोई अन्य कारण होगा। नतीजा आज मेरा बेटा उमर (2माह) दुनिया से चला गया। सबसे बड़ी बात की इसी गांव में टीकाकरण कराने वाले अन्य बच्चे भी बीमार हैं। इनमें साहिल पुत्र मुन्ना (2माह), जहीर अहमद पुत्र रईस अहमद (9 माह), देवन वर्मा पुत्र बेचेलाल वर्मा (एक माह), हनुमान पुत्र बाबू (18 माह), इसी तरह ताज आलम, आशा, अकीजा, शांती देवी की भी हालत वैक्सीन लगने के बाद से खराब है। जिन्हें कुछ लोग शुक्रवार को उपचार के लिए माल सीएचसी लाए थे। जिन्हें उपचार के बाद घर भेज दिया गया था। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डा. जेपी सिंह ने बताया कि वैक्सीन से बच्चे की मौत नहीं हो सकती है क्योंकि इसी वैच की वैक्सीन पूरे जिले में बच्चों को लगाई गयी है। असलियत तो बच्चे की पीएम रिपोर्ट आने पर ही पता चलेगा। कारण कुछ भी नवजात उमर की मौत से परिवार सहित पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। साथ ही आक्रोश भी। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज। दिया है अब रिपोर्ट के आने का इंतजार है।

❑ एएनएम पर लापरवाही का आरोप

भीषण अग्निकांड में 12 बीघा फसल राख, 10 किसानों पर टूटा कहर

बीकेटी, लखनऊ। बख्शी का तालाब क्षेत्र के सरसवा गांव में शुक्रवार दोपहर अचानक खेतों में आग लगने के कारण अफरा-तफरी मच गई, बताया जा रहा करीब 10 किसानों की 12 बीघा खड़ी फसल जलकर राख हो गई। तेज पछुआ हवा के चलते आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि आग की शुरुआत रामकरन के खेत से हुई, जो धीरे-धीरे अन्य किसानों के खेतों तक फैल गई। ग्रामीणों ने पेड़ों की टहनियां और झाड़ियों का सहारा लेकर आग को पीट-पीटकर बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक 12 बीघा फसल पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुकी थी।घटना की सूचना पर अग्निशमन विभाग की दो दमकल गाड़ियां मौके के लिए रवाना हुईं, लेकिन खेतों तक जाने का रास्ता खराब होने के कारण गाड़ियां करीब एक किलोमीटर पहले ही रुक गईं।इस अग्निकांड में विद्यावती, शिवराम, इरफान बेग, जगदीश, रामगोपाल, रामकुमार, रामकरन, नवमी लाल, सुशील मिश्रा, अतुल मिश्रा, नीरज मिश्रा समेत अन्य किसानों की फसल जलकर स्वाहा हो गई।

भाजपा का गांव, वार्ड चलो अभियान शुरू: कार्यकर्ता घर-घर जाकर योजनाओं की दे रहे जानकारी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने 10 से 13 अप्रैल तक गांव, वार्ड चलो अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत कार्यकर्ताओं को अपने वार्ड में घर-घर जाकर

योजनाओं की जानकारी देना है। ठाकुरगंज क्षेत्र मंडल अध्यक्ष दया पाण्डेय ने बूथ समिति की बैठक की। बैठक में सेक्टर और बूथ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।इसके बाद कार्यकर्ताओं ने मंदिर में अशीर्वाद लेकर वार्ड में अभियान शुरू किया। टीम ने ठाकुरगंज क्षेत्र के दौलत गंज इलाके में घर-घर जाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यकर्ताओं ने भाजपा का ध्वज लेकर गलियों में शोभायात्रा निकाली। इस अवसर पर पूर्व पार्षद अनूप सिंह, पूर्व पार्षद संतोष तेवतिया,उपविजेता पार्षद दुर्गेश पाण्डेय,पूर्व मंडल मंत्री विजय द्विवेदी, उपाध्यक्ष सुशील तिवारी, उपाध्यक्ष शीशूपाल सिंह, पीयूष तिवारी, वार्ड अध्यक्ष सतीश द्विवेदी एवं वार्ड अध्यक्ष नीरज यादव, सेक्टर संयोजक नरेंद्र सिंह, सेक्टर संयोजक अजय राठौर समेत अन्य कार्याकार्ता उपस्थित रहे।

उत्साह फाउंडेशन का सेवा अभियान, मरीजों को भोजन वितरण

लखनऊ। सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साकार करते हुए उत्साह फाउंडेशन ने वैकुंठ यात्रा प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से शुक्रवार को गोसाईगंज स्थित

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों एवं उनके परिजनों के बीच फूड पैकेट वितरित किए। इस सेवा पहल का उद्देश्य अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों तथा उनके साथ आए परिजनों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना और उन्हें भावनात्मक संबल प्रदान करना था। उपस्थित लोगों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में वैकुंठ यात्रा प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक शिरीष तिवारी के नेतृत्व में टीम के सदस्य धीरेन्द्र सिंह, निशांत पांडेय एवं सौम्या गुप्ता ने सक्रिय भागीदारी निभाई और सेवा कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उत्साह फाउंडेशन की निदेशक ऋचा एवं संस्थापक जीतेश श्रीवास्तव ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्य निरंतर करती रहेगी।

आरआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में चल रहे वार्षिकोत्सव प्रज्ञान-2026 का तीसरा दिन

बीकेटी, लखनऊ। बख्शी का तालाब स्थित आरआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन, लखनऊ के वार्षिकोत्सव प्रज्ञान-2026 के तीसरे दिन में क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में

आर.आर.एंटिटी बनाम आरआर कुशीनगर इलेवन के बीच हुए मुकाबले में आरआर कुशीनगर ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। आरआर कुशीनगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 6 ओवर में 6 विकेट खोकर 53 रन बनाए। जवाब में आरआर एंटिटी की टीम ने 4.5 ओवर में 2 विकेट खोकर 54 रन बनाये। इस तरह आरआर एंटिटी ने 8 विकेट से जीत हासिल की। आरआर एंटिटी की तरफ से ललित ने 27 रन बनाए व 3 विकेट लिए। ललित को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। गर्ल्स क्रिकेट प्रतियोगिता में विंड ब्रेकर बनाम बायोटेक एंजाइम के बीच मुकाबला हुआ जिसमे विंड ब्रेकरटीम विजयी रही। विंड ब्रेकर टीम की तरफ से अंशिका सिंह के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वीमेन ऑफ़ द मैच चुना गया।

प्रागैतिहासिक पाषाण उपकरणों की उन्नत अवधारणाओं से परिचित हुए प्रतिभागी

लखनऊ। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा शताब्दी समारोह (2025-2026) के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय

राष्ट्रीय कार्यशाला स्टोरीज़ इन स्टोन: ए वर्कशॉप ऑन प्रीहिस्टोरिक लिथिक्स का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर प्रतिभागियों को प्रागैतिहासिक पाषाण उपकरणों की उन्नत अवधारणाओं से परिचित कराया गया। दिन की शुरुआत बाइफ़ेशियल टेक्नोलॉजी के परिचयात्मक सत्र से हुई, जिसमें हस्तकुठार एवं क्लीवर निर्माण की विभिन्न तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। क्लीवर की सूक्ष्मताओं को कार्यशाला के संयोजक डॉ. जोश राफ़ेल ने अपने विशेष व्याख्यान में सरल एवं स्पष्ट रूप से समझाया। इसके पश्चात हैंडऐक्स फैकोनाज (Handaxe Façonnage) पर एक व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने द्विपाश्वीय औज़ारों (bifacial) के निर्माण की तकनीकों का प्रत्यक्ष अभ्यास किया। तत्पश्चात लेवल्वा (Levallois) एवं लैमिनर तकनीकी रणनीतियों पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें उन्नत कोर रिडक्शन तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

विभिन्न देशों में धूमधाम से मना खुशी टीवी का स्थापना दिवस

लखनऊ। खुशी टीवी की स्थापना 11 अप्रैल 2013 को भारत देश के पंजाब प्रांत के मूलनिवासी वर्तमान समय में इटली निवास कर रहे डॉ खुशीराम सुमन के द्वारा किया गया था। खुशी टी वी यूट्यूब चैनल, फ़ेसबुक, ट्यूटर, इंस्टाग्राम आदि पर गुरु रविदास जी के विचारों का प्रचार प्रसार किया जा रहा है । आज खुशी टी वी स्थापना दिवस दिल्ली में राजेंद्र कुमार, उत्तराखंड प्रदेश के हरिद्वार में नेत्रपाल सिंह अठवाल, झारखंड के रांची में बहन रेनू, उतर प्रदेश के बुलंदशहर में अजय कुमार हितकारी, हरियाणा के करनाल में डॉ सुनीलदास, आदि के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों के साथ धूमधाम से मनाया जा रहा है, इटली में खुशी टी वी के संचालक डॉ खुशीराम सुमन के द्वारा धूमधाम से मनाया जा रहा है । खुशी टी वी का स्थापना दिवस कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन ,अफ्रीका, रविदासिया समाज के द्वारा धूमधाम से मनाया जा रहा है गुरु रविदास जी के विचार को जन जन तक पहुंचाया जा रहा है गुरु रविदास जी के संदर्भ में कीर्तन भजन उनके विचारों को संपूर्ण विश्व में प्रचार प्रसार खुशी टी वी द्वारा किया जा रहा है। श्री गुरु रविदास जी के संदेशों का प्रचार प्रसार खुशी टी वी पर किया जा रहा है।

दलित महिला से छेड़छाड़ मामले में नया मोड़

पुलिस पर गंभीर आरोप, शिकायत पर कार्रवाई के बजाय पीड़िता को थाने से भगाया

प्रभात समय संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में दलित महिला के साथ कथित छेड़छाड़ और मारपीट के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। घटना के बाद न्याय की उम्मीद लेकर थाने पहुंची पीड़िता ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महिला का आरोप है कि थाना प्रभारी ने उनकी शिकायत दर्ज करने के बजाय उन्हें डांट-फटकार कर थाने से भगा दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला अपने छोटे बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में स्थित अवध फार्म हाउस के पास बैठे एक दबंग व्यक्ति ने कथित रूप से महिला के साथ छेड़छाड़ की। महिला का आरोप है कि

❑ पीड़ित पक्ष का आरोप, आरोपी ने पहले ही पुलिस से मिलीभगत कर खुद को बचाने की साजिश रच ली थी

आरोपी ने न केवल अश्लील हरकतें कीं, बल्कि जातिसूचक गालियां देते हुए विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।घटना के बाद पीड़िता अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची, लेकिन वहां उसे न्याय मिलने के बजाय निराशा हाथ लगी। महिला का कहना है कि इंस्पेक्टर बृजेश त्रिपाठी ने उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें अपमानित किया और शिकायत दर्ज करने से इंकार कर दिया। पीड़ित पक्ष ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी ने पहले ही पुलिस से मिलीभगत कर खुद को बचाने की साजिश रच ली थी। इसी के तहत उसने महिला, उसके पति और करीब 25 से 30 अन्य महिलाओं के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया, ताकि दबाव बनाकर मामले को दबाया जा सके।इतना ही नहीं, पीड़ित परिवार का यह भी कहना है कि देर शाम कुछ पुलिसकर्मी उनके घर पहुंचे और शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाया। विरोध करने पर धमकी भी दी गई, जिससे परिवार में भय का माहौल है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और स्थानीय लोग मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। पीड़ित पक्ष ने उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है और पीड़िता को न्याय मिल पाता है या नहीं।

मुआवजा बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन

प्रभात समय संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। आगरा-लखनऊ पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित की जा रही भूमि के मुआवजे को लेकर किसानों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को क्षेत्र के दर्जनों किसानों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा।

मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के भंसड़ा, गौरा, बिंदौआ, हुलासखेड़ा, खुजेहटा और बरकतनगर समेत कई गांवों के किसानों ने आरोप लगाया कि उनकी कृषि भूमि का मुआवजा सर्किल रेट के चार गुना के आधार पर तय किया गया है, जो बाजार मूल्य की तुलना में बेहद कम है। किसानों का कहना है कि जहां उन्हें करीब 23 लाख रुपये प्रति बीघा मुआवजा दिया जा रहा है, वहीं वास्तविक बाजार दर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये प्रति बीघा है।प्रदर्शन के दौरान किसानों ने प्रशासन पर दबाव बनाने का आरोप भी लगाया। उनका कहना था कि अधिकारियों द्वारा सर्किल रेट पर ही सहमति देने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

किसानों ने मांग की कि उन्हें उनकी जमीन का उचित मुआवजा बाजार दर के अनुसार दिया जाए, ताकि वे अपने परिवार और भविष्य को सुरक्षित रख सकें।इस दौरान उपजिलाधिकारी पवन पटेल और इंस्पेक्टर बृजेश त्रिपाठी मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा।किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

❑ एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समरस समाज से ही राष्ट्र सशक्त बनेगा: प्रो.राजकुमार मित्तल

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के एएसएसएस हाल में शुक्रवार को युवराष्ट्र की ओर से डा.भीमराव अंबेडकर के समरसता के विचार एवं राष्ट्र निर्माण की दृष्टि विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजकुमार मित्तल ने कहा कि समरस समाज से ही सशक्त राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहब आम्बेडकर का राष्ट्र निर्माण केवल संवैधानिक ढ़ांचे तक सीमित नहीं था, बल्कि वह सामाजिक न्याय, स्वदेशी एवं सामाजिक समरसता के सिद्धान्तों पर आधारित था। मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रान्त सामाजिक समरसता प्रमुख राजकिशोर ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर का चिंतन ही देश को एक रख सकता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने धर्म नहीं पाखण्ड का विरोध किया था। वह मुस्लिम तुष्टीकरण के खिलाफ थे। समाज को दिशा देने का काम बाबा साहब ने किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. रामचन्द्रा ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर और समरसता दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संवाद, सस्कार, सम्मान,शालीनता युवाओं में होनी चाहिए। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग प्रचार प्रमुख प्रो.भीम सोनकर ने रखी। संचालन अविनाश ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त शारीरिक शिक्षण प्रमुख भगवान सहाय,सामाजिक समरसता गतिविधि के प्रान्तीय टोली के सदस्य बृजनन्दन राजू, संघ के भाग प्रचारक दौलत, प्रो.दीपा द्विवेदी, डा.राजश्री, डा.अजय सिंह कुशवाहा युवराष्ट्र के सुमित अवस्थी, वाँछित सिंह, रितिक, दीपाशुं, विनीत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

❑ राजकिशोर ने कहा, बाबा साहब का चिंतन ही देश को एक रख सकता है

डॉ. संजय अरोड़ा उसर मृदा सुधार और प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। डॉ. संजय अरोड़ा, प्रमुख मृदा वैज्ञानिक और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ के पूर्व प्रभारी प्रमुख को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों और अनुकरणीय योगदान की मान्यता में प्रतिष्ठित फ़ेलो अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। विशेष रूप से, उन्होंने उसर (क्षारीय) मृदा के सुधार और प्रबंधन के लिए बायो-रेमेडिएशन (जैविक उपचार) समाधानों को आगे बढ़ाने, खराब हो चुकी मृदा की उत्पादकता क्षमता का दोहन करने और फसल अवशेष जलाने की समस्या से निपटने के लिए नए सूक्ष्मजीव-आधारित समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें 8 से 10 अप्रैल तक ICAR-ISRI, लखनऊ में उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित विकसित कृषि-विकसित भारत@2047 के लिए कृषि का कायाकल्प विषय पर आयोजित 6वें उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कंग्रेस में यह पुरस्कार दिनेश प्रताप सिंह, उद्यान मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, यूपीसीएआर, कैप्टन विकास गुप्ता, श्याम बिहारी गुप्ता, डॉ. दिनेश सिंह, निदेशक एवं डॉ. राजू, कुलपति, बांदा कृषि विश्वविद्यालय मौजुद रहे।

यह सम्मान उन वैज्ञानिकों को दिया जाता है जिन्होंने विभिन्न हितधारकों-विशेष रूप से उत्तर प्रदेश राज्य में कृषि क्षेत्र-में ज्ञान के विस्तार और दृश्यमान परिवर्तन लाने में लगातार और महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

लगभग पिछले दो दशकों के दौरान, डॉ. अरोड़ा ने सराहनीय कार्य किया है और अपने उच्च-प्रभाव वाले प्रकाशनों-विशेष रूप से Bioremediation of Salt Affected Soils (लवण-प्रभावित मृदा का जैविक उपचार) नामक अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक-के माध्यम से अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए अमूल्य योगदान दिया है।

यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि डॉ. अरोड़ा को 'इंटरनेशनल यूनियन ऑफ सॉयल साइंस' के उपाध्यक्ष और ' संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन-इंटरनेशनल नेटवर्क ऑन सॉल्ट अफ़ेक्टेड सॉइल्स' के एशियाई प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

चौधरी चरण सिंह जी की नीतियां सदैव किसानों और व्यापारियों के हित में रही

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के संगठन विस्तार अभियान को गति देते हुए शुक्रवार को एक भव्य सदस्यता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री रोहित अग्रवाल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव अनीता यादव जी के अथक प्रयासों से बड़ी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस दौरान प्रमुख रूप से उषा मौर्य, रेणुका वर्मा, राम लोटन एवं अंजू रावत सहित कई लोगों ने राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों एवं विचारधारा में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी से जुड़ने का निर्णय लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रोहित अग्रवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि चौधरी चरण सिंह जी की नीतियां सदैव किसानों और व्यापारियों के हित में रही हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल उन्हीं आदर्शों और सिद्धांतों पर चलते हुए व्यापारियों के सम्मान, सुरक्षा और उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। आज के बदलते आर्थिक परिवेश में छोटे और मध्यम व्यापारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

तनिष्का शर्मा के सिर सजा मिस यूनिवर्स उत्तर प्रदेश-2026 का ताज

कार्तिका मौर्या मिस टीन उत्तर प्रदेश और गुर शरण कौर मिसेज उत्तर प्रदेश-2026 बनीं

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। क्वीनीफाइड इंक प्रा.लि. के तत्वावधान में कल देर रात इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्श ऑडिटोरियम में संपन्न हुए समारोह में तनिष्का शर्मा मिस यूनिवर्स उत्तर प्रदेश-2026, कार्तिका मौर्या मिस टीन उत्तर प्रदेश और गुर शरण कौर मिसेज उत्तर प्रदेश-2026 चुनी गईं।

सुमधुर संगीत और इंद्रधनुषी लाइटों के बीच जब 38 प्रतिभागियों ने रैम्प पर कदम रखे, तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। यह सिर्फ एक ब्यूटी पेजेंट नहीं, बल्कि नारी सशक्तिकरण और प्रतिभा का एक शानदार मंच था। कार्यक्रम में पारंपरिक चिकनकारी से लेकर मॉडर्न गाउन्स तक, रैंप पर लखनऊ की संस्कृति और आधुनिक फैशन का अनोखा फ्यूजन दिखा। परिचय राउंड में प्रतिभागियों ने अपनी गरिमा और अनूठी शैली से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। बौद्धिक परीक्षण प्रश्न-उत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक सोच और तार्किक क्षमता से साबित किया कि वे 'ब्यूटी विद ब्रेन्स' का सटीक उदाहरण हैं। इसके अलावा शानदार कैटवॉक, आत्मविश्वास से भरे हर कदम ने ग्लैमर के नए मानक स्थापित किए।

इस अवसर पर मिस यूनिवर्स उत्तर प्रदेश-2026 की विजेता बनी लखनऊ की तनिष्का शर्मा, जबकि दिव्या गुप्ता फर्स्ट रनरअप और यशिता जीत सेकंड रनरअप रहीं। इसी प्रकार कार्तिका मौर्या मिस टीन उत्तर प्रदेश-2026 की विजेता बनी जबकि गौरी सिंह राजपूत फर्स्ट रनरअप रहीं। इसी क्रम में गुर शरण कौर मिसेज उत्तर प्रदेश-2026 की विजेता बनी, जबकि संजना श्रीवास्तव क्रमशः फर्स्ट रनरअप और पद्मा सिन्हा सेकंड रनरअप रहीं। विजयी सभी प्रतिभागियों को क्वीनीफाइड इंक प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापिका और प्रतियोगिता की राज्य निदेशक प्रीति यादव ने जीत का ताज पहनाया। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. जगदीश चंद्र, विशिष्ट अतिथि महक ढींगरा मिस चार्म इंडिया 2025, अपर्णा अहीर राव मिसेज यूनिवर्स साउथ ईस्ट एशिया 2025, डॉ. अनीता रंजन, मनिका विश्वकर्मा मिस यूनिवर्स इंडिया-2025, मिस्टर अमजद खान और अपेक्षा नागर मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सिमरन आहूजा ने किया।

दो हफ्ते का युद्धविराम

यह हालिया युद्धविराम केवल एक अस्थायी ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, कूटनीति और शक्ति-संतुलन के जटिल समीकरणों का परिणाम है। 40 दिनों तक चले इस भीषण संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य ताकत से नहीं जीते जाते, बल्कि कूटनीतिक समझदारी, अंतरराष्ट्रीय दबाव और रणनीतिक धैर्य भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। ईरान की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता को समाप्त करने के दावे न केवल अतिरंजित थे, बल्कि इतिहास के अनुभवों के भी विपरीत थे। सिकंदर महान और मंगोल आक्रमणकारियों जैसे शक्तिशाली विजेताओं ने भी ईरान की सांस्कृतिक और सभ्यतागत जड़ों को मिटाने में सफलता नहीं पाई थी। ऐसे में आधुनिक समय में किसी भी बाहरी शक्ति द्वारा इस प्रकार का लक्ष्य तय करना अव्यावहारिक ही माना जाएगा। इस युद्ध के दौरान अमेरिका के घोषित उद्देश्य बेहद व्यापक और आक्रामक थे–ईरान की सरकार को बदलना, उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना, बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं पर रोक लगाना, होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलना और यहां तक कि ईरान में आंतरिक विद्रोह को प्रोत्साहित करना। लेकिन 39 दिनों के संघर्ष के बाद यह साफ हो गया कि इनमें से कोई भी लक्ष्य पूरी तरह हासिल नहीं किया जा सका। यही कारण रहा कि अंततः अमेरिका को ईरान के 10-सूत्रीय प्रस्ताव को स्वीकार करना पड़ा, जिसे व्यावहारिक और संतुलित माना गया। युद्धविराम की घोषणा से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति और इजरायल के प्रधानमंत्री के बीच हुई बातचीत यह दर्शाती है कि इस संघर्ष में अमेरिका और इजरायल के बीच भी रणनीतिक मतभेद मौजूद थे। अंततः इजरायल को भी इस निर्णय को स्वीकार करना पड़ा, जो यह संकेत देता है कि क्षेत्रीय शक्तियों के बीच भी एकरूपता नहीं थी। यह युद्ध न तो किसी स्पष्ट विजेता के साथ समाप्त हुआ और न ही किसी निर्णायक हार के साथ। अगर किसी ने जीत हासिल की, तो वह केवल विनाश, तबाही और मानवीय त्रासदी थी। ईरान के कई हिस्से युद्ध के दौरान बुरी तरह प्रभावित हुए, लेकिन उसका मनोबल और राष्ट्रीय पहचान कायम रही। यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि किसी देश को केवल सैन्य हमलों से पराजित नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब उसकी जनता और शासन तंत्र मजबूत इच्छाशक्ति रखते हों। चीन की भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उसने एक ल्लवास्तविक मध्यस्थङ्क के रूप में कार्य करते हुए ईरान को अपने रुख में नरमी लाने के लिए प्रेरित किया। यह दर्शाता है कि वैश्विक शक्ति संतुलन अब बहुध्रुवीय हो चुका है, जहां केवल अमेरिका ही निर्णायक भूमिका नहीं निभाता। चीन का हस्तक्षेप इस बात का संकेत है कि वह अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को और मजबूत करना चाहता है। इस्लामाबाद को वार्ता स्थल के रूप में चुनना भी रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति और अमेरिका के साथ उसके संबंधों ने उसे इस संवाद के लिए उपयुक्त स्थान बनाया। साथ ही, तुर्की और मिस्र जैसे देशों की भूमिका संदेशवाहक के रूप में रही, जिसने यह स्पष्ट किया कि इस संघर्ष का प्रभाव केवल दो देशों तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरे मध्य-पूर्व और उससे बाहर तक फैला हुआ था। अमेरिका के अचानक युद्धविराम के लिए तैयार होने के पीछे आंतरिक कारण भी माने जा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि यदि युद्ध जारी रहा, तो दुनिया भर में अमेरिकी नागरिकों के लिए खतरा बढ़ सकता है। यह एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है, जिसने अमेरिकी नेतृत्व को अपने रुख पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। हालांकि युद्धविराम की घोषणा हो चुकी है, लेकिन कई महत्वपूर्ण मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और वहां से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूली जैसे मुद्दे भविष्य में फिर तनाव का कारण बन सकते हैं। यह क्षेत्र वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और यहां किसी भी प्रकार का विवाद अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। युद्धविराम के बाद वैश्विक बाजारों की सकारात्मक प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि दुनिया शांति की दिशा में किसी भी कदम का स्वागत करती है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और एशियाई तथा यूरोपीय बाजारों में तेजी इस बात का प्रमाण है कि आर्थिक स्थिरता के लिए शांति कितनी आवश्यक है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह युद्धविराम स्थायी शांति में बदल पाएगा। इतिहास गवाह है कि अस्थायी समझौते अक्सर स्थायी समाधान का आधार बन सकते हैं, लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों की ईमानदार प्रतिबद्धता आवश्यक होती है। यदि अमेरिका और ईरान अपने मतभेदों को कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने में सफल होते हैं, तो यह न केवल मध्य-पूर्व बल्कि पूरे विश्व के लिए एक सकारात्मक संकेत होगा। अंततः, यह युद्ध हमें यह सिखाता है कि शक्ति का प्रदर्शन हमेशा समाधान नहीं होता। संवाद, समझ और सहयोग ही स्थायी शांति की कुंजी हैं। यदि विश्व समुदाय इस अनुभव से सीख लेता है, तो भविष्य में ऐसे विनाशकारी संघर्षों से बचा जा सकता है।

इतिहास गवाह है कि अस्थायी समझौते अक्सर स्थायी समाधान का आधार बन सकते हैं, लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों की ईमानदार प्रतिबद्धता आवश्यक होती है। यदि अमेरिका और ईरान अपने मतभेदों को कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने में सफल होते हैं, तो यह न केवल मध्य–पूर्व बल्कि पूरे विश्व के लिए एक सकारात्मक संकेत होगा। अंततः, यह युद्ध हमें यह सिखाता है कि शक्ति का प्रदर्शन हमेशा समाधान नहीं होता। संवाद, समझ और सहयोग ही स्थायी शांति की कुंजी हैं। यदि विश्व समुदाय इस अनुभव से सीख लेता है, तो भविष्य में ऐसे विनाशकारी संघर्षों से बचा जा सकता है।

डिजिटल नज़दीकियां, मानवीय दूरियां

यह याद रखना आवश्यक है कि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियां वह नहीं होती, जो हम दुनिया को दिखाते हैं, बल्कि वह होती हैं जो हमारे दिलों में बसती हैं। रिश्ते जीवन की सबसे अमूल्य संपत्ति हैं और इन्हें न तो खरीदा जा सकता है और न ही किसी तकनीक से बनाया जा सकता है। इन्हें केवल विश्वास, समय, धैर्य और सच्चे संवाद से ही जीवित रखा जा सकता है। इसलिए यदि हम चाहते हैं कि डिजिटल युग की तेज़ रफ्तार के बीच भी हमारे रिश्ते सुरक्षित और जीवंत बने रहें, तो हमें स्क्रीन की चमक से थोड़ा बाहर निकलकर दिलों की गर्माहट को फिर से पहचानना होगा। क्योंकि अंततः तकनीक हमें जोड़ सकती है, लेकिन इंसानियत ही हमें रिश्तों में बांधकर रखती है, और जिस दिन हम इस सत्य को समझ लेंगे उसी दिन हमारे रिश्ते फिर से सच्ची गहराई, सम्मान और प्रेम से भर उठेंगे।

डॉ. जयशंकर प्रसाद शुक्ल

तुम्हें गैरों से कब फुर्सत, हम अपने गम से कब खाली'' प्रसिद्ध उर्दू शायर मिर्ज़ा जाफ़र अली हसरत (मिर्ज़ा ग़ालिब) का एक बेहद लोकप्रिय शेर है। यह शेर बेवफाई या व्यस्तता के कारण आज के परिप्रेक्ष्य में मानवीय प्यार में दूरी को दर्शाता है।

तुम्हें गैरों से कब फुर्सत, हम अपने गम से कब खाली

चलो बस हो चुका मिलना, न तुम खाली, न हम खाली।

इस शेर का अर्थ यह है कि तुम दूसरों (गैरों) के साथ व्यस्त रहने में इतने मशगूल हो कि तुम्हारे पास समय नहीं है, और मैं अपने दुखों/तनाव में इतना डूबा हुआ हूँ कि मैं भी खाली नहीं हूँ। इसलिए, अब हमारा मिलना-जुलना बंद होना ही बेहतर है।

तकनीक ने हमें एक-दूसरे की उंगलियों की दूरी पर ला खड़ा किया है, पर रिश्तों को जीवित रखने के लिए आज भी दिलों की दूरी मिटानी पड़ती है–क्योंकि स्क्रीन संपर्क बना सकती है, लेकिन संबंध केवल संवेदना, समय और सच्चे संवाद से ही बनते हैं।

आज का समय तकनीक का समय है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने दुनिया को सचमुच हमारी हथेली पर ला दिया है। हम हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति से पल भर में बात कर सकते हैं, उसकी तस्वीरें देख सकते हैं और उसके जीवन की छोटी-बड़ी घटनाओं से तुरंत अवगत हो सकते हैं। पहली नज़र में यह सब मानव सभ्यता की एक अद्‌भुत उपलब्धि प्रतीत होता है, मानो पूरी दुनिया एक परिवार में बदल गई हो,लेकिन यदि इस चमकदार तस्वीर को थोड़ी गहराई से देखा जाए तो एक अजीब विरोधाभास सामने आता है–संपर्क बढ़े हैं पर संबंध कमज़ोर हुए हैं, संवाद बढ़ा है पर समझ घट गई है, और लोग पहले से अधिक जुड़े होने के बावजूद भीतर से पहले से अधिक अकेले होते जा रहे हैं।

डिजिटल युग ने हमें संवाद की गति तो दी है, पर संवाद की गहराई छीन ली है। आज लोग दिन भर मोबाइल स्क्रीन पर व्यस्त रहते हैं–संदेश, स्टेटस, रील्स, लाइक्स और कमेंट्स के बीच उन्हें लगता है कि वे बहुत से लोगों से जुड़े हुए हैं। लेकिन यह जुड़ाव अक्सर सतही होता है। स्क्रीन पर लिखे शब्दों और इमोजी में वह संवेदना नहीं होती जो आमने-सामने बैठकर बातचीत में होती है। आँखों की भाषा, चेहरे के भाव और आवाज़ की गर्माहट रिश्तों को जीवंत बनाती है। जब संवाद केवल स्क्रीन तक सीमित हो जाता है तो धीरे-धीरे भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है और यही दूरी आगे चलकर रिश्तों की कमजोरी का कारण बन जाती है।

डिजिटल दुनिया ने मनुष्य के सामने विकल्पों की भरमार भी खड़ी कर दी है। सोशल मीडिया और विभिन्न ऑनलाइन मंचों ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि हर समय कोई ल्लऔर बेहतरङ्क व्यक्ति या रिश्ता मिल सकता है। यह मानसिकता धीरे-धीरे स्थिरता और प्रतिबद्धता की भावना को कमजोर कर देती है। रिश्ते तब टिकते हैं जब उनमें विश्वास, धैर्य और समर्पण होता है; लेकिन जब मन लगातार तुलना और विकल्पों के चक्र में उलझा रहता है, तब वर्तमान रिश्ते का मूल्य कम होने लगता है। छोटे-छोटे मतभेद भी बड़े संकट बन जाते हैं क्योंकि व्यक्ति उन्हें सुलझाने के बजाय नए विकल्पों की ओर देखने लगता है।

सोशल मीडिया ने दिखावे की एक नई संस्कृति भी पैदा कर दी है। लोग अपने जीवन के सबसे सुंदर और सुखद क्षणों को ही दुनिया के सामने प्रस्तुत करते हैं–मुस्कुराती तस्वीरें, शानदार यात्राएं, उत्सव और उपलब्धियां। यह सब देखकर दूसरों को लगता है कि शायद उनके जीवन और उनके रिश्तों में कुछ कमी है। धीरे-धीरे यह तुलना असंतोष और अविश्वास को जन्म देती है। जबकि सच्चाई यह है कि हर रिश्ते में संघर्ष होते हैं, मतभेद होते हैं, और कई बार कठिन समय भी आता है। यही संघर्ष रिश्तों को परिपक्व बनाते हैं और यही उन्हें मजबूत भी करते हैं।

आधुनिक रिश्तों की एक और बड़ी समस्या संवाद का क्षय है। लोग घंटों चैट कर सकते हैं, लेकिन दिल की गहराई से बात करने में झिझकते हैं। कठिन बातचीत से बचना, समस्याओं को अनदेखा करना और भावनाओं को व्यक्त न करना धीरे-धीरे रिश्तों को खोखला बना देता है। संवाद केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं है; संवाद का अर्थ है किसी को सच में सुनना, उसकी भावनाओं को समझना और अपनी सच्चाई को ईमानदारी से साझा करना। जहां यह संवाद समाप्त हो जाता है, वहां रिश्तों की जड़ें धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं।

आधुनिक समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता को महत्व मिला है, जो निश्चित रूप से एक सकारात्मक परिवर्तन है। लेकिन जब स्वतंत्रता केवल स्वार्थ तक सीमित हो जाती है और जिम्मेदारी का स्थान कम हो जाता है, तब रिश्तों का संतुलन बिगड़ जाता है। रिश्ते केवल प्रेम के शब्दों से नहीं चलते; वे धैर्य, समझ, त्याग और जिम्मेदारी की भी मांग करते हैं। जब व्यक्ति केवल अपने सुख और अपनी इच्छाओं को प्राथमिकता देता है, तब रिश्ते धीरे-धीरे बोझ लगने लगते हैं और उनका भावनात्मक आधार कमजोर हो जाता है।

इस बदलते समय में यदि रिश्तों को बचाना है तो हमें कुछ मूलभूत बातों को फिर से सीखना होगा। हमें संवाद की सच्ची संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा। सिर्फ संदेश भेजना नहीं बल्कि ध्यान से सुनना, समझना और साथ समय बिताना सीखना होगा। हमें तुलना की मानसिकता से बाहर निकलना होगा और यह स्वीकार करना होगा कि हर रिश्ता अपनी यात्रा से बनता है। हमें यह भी समझना होगा कि तकनीक जीवन को आसान बनाने का साधन है, लेकिन जीवन का केंद्र नहीं। रिश्तों को समय चाहिए, उपस्थिति चाहिए और सच्ची संवेदनशीलता चाहिए। अंततः यह याद रखना आवश्यक है कि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियां वह नहीं होती, जो हम दुनिया को दिखाते हैं, बल्कि वह होती हैं जो हमारे दिलों में बसती हैं। रिश्ते जीवन की सबसे अमूल्य संपत्ति हैं और इन्हें न तो खरीदा जा सकता है और न ही किसी तकनीक से बनाया जा सकता है। इन्हें केवल विश्वास, समय, धैर्य और सच्चे संवाद से ही जीवित रखा जा सकता है। इसलिए यदि हम चाहते हैं कि डिजिटल युग की तेज़ रफ्तार के बीच भी हमारे रिश्ते सुरक्षित और जीवंत बने रहें, तो हमें स्क्रीन की चमक से थोड़ा बाहर निकलकर दिलों की गर्माहट को फिर से पहचानना होगा। क्योंकि अंततः तकनीक हमें जोड़ सकती है, लेकिन इंसानियत ही हमें रिश्तों में बांधकर रखती है, और जिस दिन हम इस सत्य को समझ लेंगे उसी दिन हमारे रिश्ते फिर से सच्ची गहराई, सम्मान और प्रेम से भर उठेंगे।

एआई नवाचार की अगली लहर का नेतृत्व

गिरिराज अग्रवाल

फरवरी 2026 में अमेरिका और भारत के शोधकर्ता और विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में अमेरिका-भारत शोध सहयोग निर्माण पर कार्यशाला के लिए मोहाली में एकत्र हुए। इस कार्यक्रम की मेजबानी प्लाक्षा यूनिवर्सिटी ने अमे?रकी दूतावास नई दिल्ली के सहयोग से की थी। इसका उद्देश्य स्पष्ट थाः संवाद से आगे बढ़कर एआई अनुसंधान में स्थायी और व्यावहारिक साझेदारियां बनाना। इस कार्यशाला ने प्रगति के साथ-साथ विकास के क्षेत्रों को भी उजागर किया। अमेरिका अग्रिम एआई अनुसंधान में अग्रणी बना हुआ है, जबकि भारत एक विशाल और कुशल प्रतिभा समूह तथा व्यापक वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है। विशेषज्ञों ने सहयोग को मज़बूत करने के लिए वित्तपोषण और संस्थागत प्राथमिकताओं को और अधिक समन्वित करने के अवसरों की भी पहचान की। इन निष्कर्षों ने उन शोधकर्ताओं के साथ गहन चर्चाओं के लिए आधार तैयार किया जो अमेरिका-भारत एआई पहलों को आकार दे रहे हैं। वास्तव में, अमेरिका-भारत सहयोग एआई में बहुत उच्च स्तर पर है, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो के कंप्यूटिंग, सूचना और डेटा विज्ञान स्कूल के विशिष्ट प्रोफ़ेसर और डीन राजेश गुप्ता कहते हैं। मैं यह इसलिए जानता हूं क्योंकि मैं भारत में छह एआई स्कूलों के निर्माण में शामिल हूं, और अमेरिका की फाउंडेशन उन्हें मदद दे रही हैं। इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के प्रोफ़ेसर राजीव बरुआ कहते हैं कि सहयोग अधिक रणनीतिक और संस्थागत होता जा रहा है। पूरकता स्पष्ट हैः अमेरिका अग्रिम अनुसंधान और वैश्विक उत्पाद पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई प्रदान करता है, जबकि भारत व्यापक स्तर पर उत्कृष्ट प्रतिभा और विविध वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है, वह कहते हैं। सबसे बड़ा साझा अवसर विश्वसनीय, सुरक्षित और लागत-प्रभावी एआई सिस्टम बनाना है, जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपनाया जा सके। बरुआ ने कार्यशाला से तीन प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित कियाः संस्थानों के बीच सहयोग को सक्षम बनाने के लिए साझा अनुसंधान अवसंरचना का निर्माण, शिक्षा को एक प्रभाव-गुणक के रूप में उपयोग करना, और शुरुआत से ही एआई सिद्धांतों जैसे सुरक्षा, संरक्षा और मजबूती को शामिल करना। शिक्षा और प्रतिभा विकास दीर्घकालिक सहयोग की नींव बने हुए हैं। गुप्ता ऐतिहासिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर की ओर संकेत करते हैं। अमेरिकी सरकार ने आठ अमेरिकी विश्वविद्यालयों को साथ लाकर आईआईटी कानपुर के निर्माण में मदद की। उन विश्वविद्यालयों को शायद कभी पता भी नहीं था कि कानपुर कहां है, लेकिन उन्होंने संपर्क स्थापित किए, वह कहते हैं। आज, भारत के उभरते एआई संस्थान समान साझेदारियों से लाभ उठा सकते हैं। आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी रोपड़ और आईआईटी गुवाहाटी सहित कई भारतीय संस्थानों में अब एआई पर केंद्रित स्कूल हैं। इन संस्थानों को अमेरिकी साझेदारों से जोड़ना सहयोग को तेज कर सकता है, गुप्ता कहते हैं। वह जोड़ते हैं कि सहयोग अक्सर जमीनी स्तर से शुरू होता है। लोग सोचते हैं कि सहयोग के लिए बड़ा बजट या उच्च-स्तरीय समझौता चाहिए। लेकिन वास्तव में यह जमीनी स्तर से शुरू होता है, वह समझाते हैं। यदि हाई स्कूल और ग्रेजुएट स्तर के विद्यार्थी इन नए विषयों को सीखना शुरू करते हैं, तो वे भविष्य के लिए प्रतिभा स्रोत बन जाते हैं, जैसे आईआईटी बने। बरुआ प्रतिभा पाइपलाइन और सहयोग को मज़बूत करने के लिए व्यावहारिक उपायों पर जोर देते हैं। द्विपक्षीय कार्यक्रम जो द्वि-राष्ट्रीय टीमों का समर्थन करते हैं और वास्तविक दुनिया पर प्रभाव डालने पर जोर देते हैं, विशेष रूप से प्रभावी होते हैं, वह समझाते हैं। सफल सहयोग में तीन विशेषताएं होती हैंः स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य, कोड, डेटा या बेंचमार्क जैसे साझा संसाधन, और सह-मार्गदर्शन, यात्राओं और नियमित कार्यशालाओं के माध्यम से निरंतर व्यक्तिगत संपर्क। सफल साझेदारियां अमेरिका की बौद्धिक स्वतंत्रता की संस्कृति से भी लाभान्वित होती हैं, जहां व्यक्ति उम्र या डिग्री की परवाह किए बिना चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं।

अर्द्धसैनिक बलों का भविष्य बने सुरक्षित

अनुज आचार्य

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ हैं। सीमाओं की निगरानी से लेकर आतंकवाद-रोधी अभियानों, आंतरिक सुरक्षा, नक्सलवाद से लड़ाई, आपदा प्रबंधन, चुनावी ड्यूटी और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तक, इन बलों के जवान हर मोर्चे पर तैनात रहते हैं। कठिन परिस्थितियों, प्रतिकूल मौसम, परिवारों से दूरी और निरंतर जोखिम के बावजूद उनका समर्पण अद्वितीय है। फिर भी विडंबना यह है कि जिन कंधों पर देश की आंतरिक सुरक्षा टिकी हुई है, उन्हीं के भीतर असंतोष, तनाव और भविष्य को लेकर अनिश्चितता लगातार बढ़ती जा रही है। 2014 से 2025 के बीच 23360 से अधिक जवानों का नौकरी छोड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक गंभीर संकेत है कि व्यवस्था के भीतर कुछ मूलभूत समस्याएं हैं। लंबी ड्यूटी, सीमित अवकाश, मानसिक दबाव, संसाधनों की कमी और पारिवारिक जीवन से दूरी, ये सभी कारक मिलकर जवानों के मनोबल को प्रभावित कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में प्रतिवर्ष लगभग 150 से अधिक जवानों द्वारा आत्महत्या जैसे कदम उठाना अत्यंत चिंताजनक है। इसके अतिरिक्त 01 जनवरी 2026 तक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 93139 से अधिक पद रिक्त होना भी इस तंत्र की चुनौतियों को उजागर करता है।

इसी पृष्ठभूमि में संसद में पारित सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन बिल) 2026 के द्वारा सरकार का उद्देश्य विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र बलों के लिए एक समान सेवा ढांचा तैयार करना है, जिससे भर्ती, पदोन्नति, स्थानांतरण और सेवा शर्तों में एकरूपता लाई जा सके। हालांकि, इस बिल के अनुसार आईजी के 50 प्रतिशत, एडीजी के 67 प्रतिशत और डीजी के 100 प्रतिशत पद आईपीएस अधिकारियों के लिए आरक्षित होंगे। इस प्रावधान ने सीएपीएफ कैडर के अधिकारियों और जवानों के बीच असंतोष को जन्म दिया है। उनका मानना है कि इससे उनके प्रमोशन के अवसर सीमित होंगे और नेतृत्व में बाहरी हस्तक्षेप बढ़ेगा। सीएपीएफ अधिकारी लंबे समय से यह मांग करते आ रहे हैं कि सेना की तर्ज पर उन्हें भी अपने ही कैडर से शीर्ष पदों तक पहुंचने का अवसर मिले। उनका तर्क है कि जो अधिकारी वर्षों तक जमीनी स्तर पर कार्य करते हैं, वही बल की वास्तविक चुनौतियों को बेहतर समझते हैं। पेंशन व्यवस्था भी एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरी है। 2004 के बाद नियुक्त जवानों को पुरानी पेंशन प्रणाली (ओपीएस) के बजाय नई पेंशन योजना (एनपीएस) के अधीन रखा गया है। एनपीएस एक बाजार आधारित प्रणाली है, जिसमें पेंशन की राशि निश्चित नहीं होती। ऐसे में 20-21 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले जवानों को मात्र कुछ हजार रुपए की पेंशन मिलना स्वाभाविक रूप से असंतोष को जन्म देता है। इसके विपरीत, सशस्त्र सेनाओं में लागू 'वन रैंक, वन पेंशन' (ओआरओपी) जैसी व्यवस्था सीएपीएफ जवानों के लिए अभी भी अधूरी मांग बनी हुई है। वेतन, भत्ते, स्वास्थ्य सुविधाएं और सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन, इन सभी पहलुओं में असमानता की भावना

लगातार गहराती जा रही है। मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। 15 से 18 घंटे की ड्यूटी, निरंतर ऑपरेशनल दबाव और परिवार से दूरी एक ऐसा वातावरण बनाते हैं, जिसमें तनाव स्वाभाविक है। लेकिन इस तनाव से निपटने के लिए पर्याप्त काउंसलिंग सिस्टम, मनोवैज्ञानिक सहायता या संस्थागत समर्थन का अभाव स्थिति को और गंभीर बना देता है।

यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसका प्रभाव केवल जवानों पर ही नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी पड़ेगा। भूतपूर्व अर्धसैनिक बलों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी भी एक प्रमुख समस्या है। कई राज्यों में उनकी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सीमित है और कैंटीन सुविधाएं भी अपर्याप्त हैं। विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मियों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल पातीं। यह दर्शाता है कि सेवा के दौरान ही नहीं, बल्कि सेवा के बाद भी जवानों को अपने हकों के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इसी संदर्भ में हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा बजट 2026-27 में 'पैरा मिलिट्री वेलफ़ेयर बोर्ड' के गठन की घोषणा एक सकारात्मक और स्वागत योग्य कदम है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की इस पहल का उद्देश्य पूर्व अर्धसैनिक बलों के जवानों, वीर नारियों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाएं प्रदान करना है। हालांकि, यह भी जरूरी है कि इस तरह की पहल केवल एक राज्य तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक नीति का हिस्सा बने। जब तक पूरे देश में सीएपीएफ कर्मियों के लिए समान और सुदृढ़ कल्याणकारी ढांचा तैयार नहीं किया जाता, तब तक समस्याओं का पूर्ण समाधान संभव नहीं होगा। समाधान की दिशा में कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं। सबसे पहले, सेवा शर्तों में सुधार, प्रमोशन के अवसरों का विस्तार और नेतृत्व में संतुलन स्थापित किया जाना चाहिए।

पेंशन प्रणाली की समीक्षा कर इसे अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना समय की मांग है। नियमित काउंसलिंग, बेहतर अवकाश नीति और परिवार के साथ समय बिताने के अवसर बढ़ाना आवश्यक है। स्वास्थ्य सुविधाओं और पुनर्वास योजनाओं को भी मजबूत करना होगा। देश की सुरक्षा केवल हथियारों और रणनीतियों से नहीं, बल्कि उन जवानों के मनोबल से तय होती है, जो हर परिस्थितियों में डटे रहते हैं। आज बढ़ती तीव्र महंगाई के परिदृश्य में अर्धसैन्य बलों के समर्पित, साहसी जवानों के लिए सम्मानजनक, सुरक्षित पेंशन, सुगम कैशलेस चिकित्सा, न्यायसंगत प्रमोशन और आकर्षक वेतन अत्यंत आवश्यक हैं। संतुलित, संवेदनशील नीतिगत सुधार उनके गौरव, अधिकार और उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित कर राष्ट्र सुरक्षा को और सुदृढ़ बना सकते हैं। अंततः यह समझना होगा कि सीएपीएफ केवल एक प्रशासनिक ढांचा नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा का मजबूत आधार हैं। यदि इन बलों के जवान संतुष्ट, सुरक्षित और सम्मानित महसूस करेंगे, तभी वे पूरी क्षमता के साथ अपने कत्र्तव्यों का निर्वहन कर पाएंगे।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, **प्रबन्धक:** आस्था श्रीवास्तव, **मोबाइल:** 9415089955

लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए 'बहू-बेटी सम्मेलन' पहल होगी प्रभावी : एडीजी

प्रभात समय संवाददाता

गोरखपुर। महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराध एवं लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम के उद्देश्य से गोरखपुर जोन में संचालित ''बहू-बेटी सम्मेलन'' पहल को प्रभावी बनाने के लिए शुक्रवार को गोरखपुर में स्थित एनेक्सी भवन में एकदिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान एडीजी मुथा अशोक जैन ने महिलाओं एवं बच्चों पर हो रहे अपराध को नियंत्रण करने के लिए लोगों को जागरूक करते हुए अपने अनुभव भी साझा किये।

मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन मुथा अशोक जैन ने यूनिसेफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण पहल के लिए यूनिसेफ का विशेष धन्यवाद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ सामाजिक सरोकारों के साथ विशेष रूप से बच्चों के विकास, संरक्षण तथा उनके अधिकारों के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर जोन सामाजिक दृष्टि से एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है, जहाँ महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, शोषण तथा अन्य अनेक समस्याएँ निरंतर सामने आती रहती हैं। विशेष रूप से यह क्षेत्र अपेक्षाकृत पिछड़ा होने तथा बड़ी संख्या में पुरुषों के रोजगार के लिए घर से बाहर रहने के कारण महिलाओं का लंबे समय तक घर और परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अकेले रहना, कई सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को और जटिल बना देता है। ऐसे क्षेत्र में यूनिसेफ का तकनीकी एवं संस्थागत सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी

भी कार्यक्रम की सफलता के लिए सटीक आँकड़ों की उपलब्धता और उनका समुचित विश्लेषण अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में यूनिसेफ द्वारा डेटा आधारित विश्लेषण और तकनीकी सहयोग अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है। उन्होंने मिशन शक्ति फ़ेज-5 के अंतर्गत किए गए सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप सभी अधिकारियों द्वारा निरंतर प्रभावी प्रयास किए गए हैं। विशेष रूप से थानों में मिशन शक्ति केंद्रों की स्थापना के माध्यम से महिला सुरक्षा, सहायता एवं परामर्श संबंधी कार्यों को सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा कि केवल जागरूकता कार्यक्रमों तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इन थाना स्तरीय मिशन शक्ति केंद्रों को काउंसलिंग सेंटर एवं महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थान के रूप में विकसित करने की दिशा में भी गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि जब भी रिसोर्स पर्सन किसी विषय पर आँकड़े या जानकारी प्रस्तुत करें, तो अधिकारीगण अपने फील्ड अनुभवों के आधार पर उस पर सार्थक चर्चा करें, तर्क रखें, सुझाव दें तथा अपना फीडबैक अवश्य साझा करें। उन्होंने कहा कि आज इस जनपद में आयोजित कार्यशाला के उपरांत आगामी तीन अन्य जनपदों में भी इसी प्रकार की कार्यशालाएँ आयोजित की जानी हैं, इसलिए आप सभी का फीडबैक अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान होगा।

इसी कड़ी में गोरखपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अपने संबोधन में कहा कि हमें बातचीत के दौरान तथा अपने कार्य निष्पादन के समय महिलाओं से संबंधित विषयों के प्रति विशेष संवेदनशीलता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जेंडर संबंधी विमर्श को केवल सेनेटरी पैड और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इससे जुड़े अनेक गंभीर मुद्दे हैं, जिन पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

जिला कारागार में एक बंदी की जलकर मौत, तीन जेल अधिकारी निलंबित

प्रभात समय संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जनपद के जिला कारागार में शुक्रवार को एक विचाराधीन बंदी की संदिग्ध हालात में आग से जलकर मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने पर तीन जेल अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए गए, जिससे घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। प्रतापगढ़ जिला कारागार में उन्नाव निवासी दीपक उर्फ राहुल एक नवबर 2025 में जेल में बंद था। उस पर कंधई थाने में छेड़छाड़, धमकी, आत्महत्या के लिए उकसाने और पॉक्सो एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज था। दोपहर लगभग 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। जिसमें दीपक चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को बंदियों से उनके परिजनों की मुलाकात चल रही थी। घटना की जानकारी होने पर अपर जिला अधिकारी आदित्य प्रजापति, एसडीएम सदर नैंसी सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र लाल, शहर कोतवाल सुभाष चंद्र यादव सहित फायर ब्रिगेड की टीम मौजूद है। अधिकारी बंदियों का बयान दर्ज कर रहे हैं। डीआईजी जेल ने पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया और अधिकारियों से जानकारी ली।

उन्नाव जिले का रहने वाले दीपक उर्फ राहुल (23) पुत्र शांति प्रसाद निवासी पुरवा मिर्जापुर रसूलाबाद थाना उन्नाव खिलाफ जिले के कंधई थाना में किशोरी के साथ छेड़खानी और आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के आरोप में पॉक्सो के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने गिरफ्तार करके उसे जेल भेजा था। जिला कारागार में एक जगह गौशाला बनाने का कार्य चल रहा है।

इसके लिए पेड़ों की टहनियों को काटकर एक जगह इकट्ठा किया गया है। बंदी ने टहनियों के भीतर घुसकर आग लगा ली। आग बुझाया गया तो बंदी का शव देखा गया। इसके बाद उसकी पहचान की गई। इतना गम्भीर तरह जल चुका था कि पहचान में नहीं आ रहा था।

कानपुर में चार अस्पताल सील, 9 को नोटिस

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश में जनपद कानपुर नगर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को चार अस्पतालों को सील कर और नौ अन्य को नोटिस थमाया गया। कई जगह गंभीर खामियां और फर्जी व्यवस्थाएं मिली हैं, जांच आगे भी जारी रहेगी। यह बातें शुक्रवार को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रमित रस्तोगी ने कही।

किडनी कांड के बाद शहर में स्वास्थ्य विभाग की सख्ती लगातार बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में जी-वन हॉस्पिटल, एमएस हॉस्पिटल, रिलैक्स हॉस्पिटल और दिव्य हॉस्पिटल को सील कर दिया गया है, जबकि अनुष्का प्रांजुल हॉस्पिटल के ऑपरेशन थिएटर को सील करते हुए नोटिस थमाया गया। इसके अलावा खाटू श्याम, मां वैष्णो, एएस मल्टी स्पेशलिटी, मोहित हॉस्पिटल, शिव हॉस्पिटल, भूमि हॉस्पिटल, केडीएम हॉस्पिटल और न्यू तुलसी हॉस्पिटल को नोटिस जारी किया गया है। जांच के दौरान इन अस्पतालों में कई गंभीर कमियां पाई गईं। इनमें फायर एनओसी, बायोमेडिकल एनओसी और रिन्यूवल से जुड़ी अनियमितताएं शामिल हैं। साथ ही साफ-सफाई की स्थिति भी बेहद खराब मिली। चौंकाने वाली बात यह रही कि कई अस्पतालों में आईसीयू और एनआईसीयू की सुविधा के फर्जी बोर्ड लगे पाए गए, जबकि वास्तव में वहां ऐसी कोई सुविधा मौजूद नहीं थी। वहीं, कुछ हॉस्पिटल में जांच के दौरान कोई डॉक्टर तैनात नहीं मिला, जो गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। बताते चलें कि इससे पहले सोमवार को गोल्ड और मैग्नम हॉस्पिटल तथा मंगलवार को नवजीवन और एनएस हॉस्पिटल को भी सील किया जा चुका है। इस तरह अब तक सील किए गए अस्पतालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि कल्याणपुर समेत शहर के अन्य क्षेत्रों में संचालित संदिग्ध अस्पतालों की जांच आगे भी जारी रहेगी और मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नवाबगंज में निकली स्कूल चलो अभियान रैली

शिक्षकों व छात्रों ने किया जनजागरुकता का आह्वान

❐ निपुण विद्यालयों के शिक्षकों का सम्मान, विधायक बोले—परिषदीय स्कूलों में तेजी से हो रहा सुधार

प्रभात समय संवाददाता

नवाबगंज-उन्नाव। विकासखंड नवाबगंज में स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती शुचि गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। रैली में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक ब्रजेश रावत एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

रैली से पूर्व कुंवर महेश सिंह ब्लॉक सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके बाद खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, पत्रकार एवं क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए।

इस अवसर पर निपुण घोषित होने वाले विद्यालयों के शिक्षकों को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नवाबगंज की प्रधानाचार्य श्रीमती माधुरी तथा श्यामलाल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अनूप समेत कई शिक्षक शामिल रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ब्रजेश रावत ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों के कायाकल्प पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्यालयों में भौतिक एवं शैक्षणिक वातावरण में निरंतर सुधार हो रहा है, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में कराने की अपील की।

रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने बैनर, तख्तियों एवं गीत-संगीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। उन्होंने सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं जैसे प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा शिक्षा, डीबीटी के माध्यम से धनराशि, पौष्टिक मध्यान्ह भोजन, आधुनिक कक्षाएं, पुस्तकालय, कंप्यूटर एवं खेलकूद की व्यवस्था की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक व्यायाम शिक्षक राकेश तिवारी ने किया। अंत में शिक्षकों ने अधिक से अधिक नामांकन कराकर अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

पत्थरबाजी व मारपीट, घर में घुसकर महिलाओं से भी की गई अभद्रता

प्रभात समय संवाददाता

बांगरमऊ-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मऊ में एक बार फिर पत्थरबाजी और घर में घुसकर मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने जांच के बाद मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर के मोहल्ला नसीमगंज निवासी रियाज पुत्र सौवाद ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि बीते 4 अप्रैल को वह बांगरमऊ स्थित अपनी दुकान पर मौजूद था। इसी दौरान उसकी पत्नी का फोन आया कि गांव मऊ स्थित उसके घर के बाहर कई दर्जन लोग एकत्र होकर गाली-गलौज और पत्थरबाजी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही जब वह घर पहुंचा तो वहां मौजूद भीड़ में शामिल गांव के ही तौहीद, नूर आलम पुत्र इसरार, जहीर पुत्र मन्नू, अरसलान पुत्र पप्पू, साहिल व मोहसिन पुत्र दानिश सहित अन्य लोगों ने उस पर हमला कर दिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। पीड़ित के अनुसार हमले में उसे गंभीर चोटें आई हैं।

आरोप है कि इसके बाद हमलावरों ने घर में घुसकर उसकी पत्नी और मां के साथ भी मारपीट की। घटना के दौरान किसी ने पूरी वारदात का वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया, जो जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकता है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गहन छानबीन के बाद बीते गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है, जिसे देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है।

सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र नाटक का सजीव मंचन, सत्य और त्याग का दिया संदेश

प्रभात समय संवाददाता

बांगरमऊ-उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम चहलहा स्थित मां मलहटी देवी मंदिर परिसर में श्री बांके बिहारी रासलीला मंडल, श्रीधाम मथुरा-वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा छठवें दिवस सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र नाटक का भावपूर्ण एवं सजीव मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से समाज को सत्य के मार्ग पर अडिग रहते हुए हर परिस्थिति में त्याग और धर्म निभाने का प्रेरणादायक संदेश दिया गया। रासलीला के दौरान दर्शाया गया कि जब राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा की ख्याति चारों ओर फैल गई, तो भगवान ने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। इसके लिए ऋषि विश्वामित्र को भेजा गया। उन्होंने स्वप्न में ही राजा से उनका संपूर्ण राजपाट दान में लेने का वचन ले लिया। बाद में दक्षिणा मांगने पर हरिश्चंद्र ने अपनी प्रतिज्ञा निभाने के लिए स्वयं को, पत्नी तारा और पुत्र रोहिताश को अलग-

अलग स्थानों पर गिरवी रख दिया और प्राप्त धनराशि दक्षिणा स्वरूप अर्पित कर दी। नाटक में उस मार्मिक दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया, जब पुत्र रोहिताश की मृत्यु हो जाती है और श्मशान में कार्य कर रहे हरिश्चंद्र अपने कर्तव्य का पालन करते हुए पत्नी तारा से अंतिम संस्कार के लिए शुल्क मांगते हैं। तारा द्वारा अपनी साड़ी का अंश फाड़कर शुल्क देने का प्रयास करते ही भगवान प्रकट होते हैं और हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा से प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद देते हैं। भगवान ने उनका समस्त राजपाट लौटाते हुए पुत्र रोहिताश को पुनः जीवित कर दिया। इस अवसर पर आयोजक यशवीर सिंह, शिवदर्शन सिंह, गुड्डू सिंह, साधु गौतम, गंगाराम गौतम, राजाबाबू भट्ट, प्रदुम्न भट्ट, सज्जन भट्ट, रणवीर सिंह, रतन सिंह, दिवाकर यादव, वीरेश सिंह, रमाकांत, मोती पाल, पिंकू पाल, फूलचंद, रामभजन यादव, रामगोपाल, शिवपाल सहित अन्य लोगों ने कार्यक्रम की व्यवस्थाएं संभालीं।

क्विक न्यूज

सत्संग पतित प्राणी को भी बनाता है महानः आचार्य अभिषेक

बबेरू/बांदा।ग्राम बिसंडी में भाजपा नेता अनिल प्रताप सिंह के द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर आचार्य अभिषेक शुक्ल जी ने कहा कि सत्संग के अचिन्त्य प्रभाव से पतित प्राणी भी महानता को प्राप्त करता है,सत्पुरुषों का संग अथवा दर्शन,माङ्गलिक पदार्थों का स्पर्श,चित्तवृत्तियों का निरोध,शास्त्र का अभ्यास,उद्योगशीलता एवं सरलता ये सब कल्याणकारी हैं,अतः इन्हें जीवन में धारण करना चाहिए,गोपीगीत का वर्णन करते हुए बताया कि अमृत सुना जाता है और विष देखा जाता है,बाजार में विष मिलता है पर अमृत नहीं अमृत क्या है गोपिकाएं कहती हैं हे श्यामसुन्दर आपकी कथा ही अमृत है जो सांसारिक ताप से तप्त प्राणियों को नवजीवन प्रदान करती है,कल्मषों का नाश करती है,श्रवण मात्र से मंगल करती है,रुक्मिणी विवाह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया,इस अवसर पर परीक्षित रणवीर सिंह,पुष्पेन्द्र सिंह,धनराज सिंह आदि विविध क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

चकबंदी ग्रामों की फर्जी रजिस्ट्री की कराई जायें जांच

बांदा। चकबंदी ग्रामों में दलितों, मृतकों, अशिक्षित किसानों की जमीनों की फर्जी रजिस्ट्री की एसआईटी जांच की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष महेन्द्र त्रिपाठी ने डीएम को दिये ज्ञापन में कहा है कि ग्राम हटेटी पुरवा में लगभग 10 बीघे भूमि के दो फर्जी बैनामे 2024 व 2025 दलित महिला श्रीमती चुनिया बेवा परसादी निवासी कनवारा की कराई गई। जबकि चुनिया की मृत्यु पांच वर्ष पहले हो चुकी थी। इसी प्रकार कई अन्य फर्जी बैनाम कराये गये हैं। इन सबकी एसआईजी जांच कराते हुए सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये। पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय प्रदान किया जाये।

मनोनीत सभासदों को ग्रहण कराई गई शपथ

बबेरू/बांदा। नगर पंचायत कार्यालय मे शासन द्वारा मनोनीत तीन सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह कार्यकम सम्पन्न हुआ। आज नगर पंचायत परिसर मे उत्तर प्रदेश शासन द्वारा मनोनीत तीन सभासदों श्यामाचरण अग्रहरि गीता श्रीवास्तव राजकुमारखेगर को उपजिलाधिकारी अवनीश त्यागी द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई उपजिलाधिकारी ने सभी सभासदों से संविधान की नियमो का पालन करते हुये ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वो का निर्वहन करने की बात कही नगर पचायत अध्यक्ष डा विवेकानन्द गुप्ता द्वारा सभी मनोनीत सभासदो को बधाई दिया(उपजिलाधिकारी/ ईओ नरेन्द्र यादव ने सभी मनोनीत सदस्यों की बधाई दिया कार्यक्रम का संचालन संतोष नंदन गौतम ने किया। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष डा. विवेकानंद गुप्ता पूर्व विधायक चंद्रपाल कुशवाहा अजय पटेल बच्चा सिंह विशेश्वर पांडेय राम प्रकाश साहू विष्णु प्रताप सौरभ शिवहरे व्यापार मंडल अध्यक्ष केके महन्त नगर पंचायत लिपिक दिनेश कुमार मुकेश कुमार कर्मचारी व सभासद मौजूद रहे।

एसडीएम ने राजनैतिक दलों के साथ की बैठक

बबेरु/बांदा। तहसील सभागार मे उपजिलाधिकारी द्वारा राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।अपने नाम की जांच कर ले जहां त्रुटिया हैवहां बी एलओ से मिलकर उसे संशोधन करने का काम करें। तहसील सभागार मे उपजिलाधिकारी अवनीश कुमार की अध्यक्षता मे समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो बीजेपी कांग्रेस पार्टी समाजवादी पार्टी बी एसपी पार्टी के साथ विधान सभा अध्यक्षों प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न हुई जिसमें प्रत्येक बूथ की साफ्रट कापी उपलब्ध करायी जा चुकी है विधान सभा के समस्त नागरिको से अपील की जाती है कि वे अपने नाम की पुष्टि निर्वाचन नामावली मे अवश्य चेक कर ले यदि किसी प्रकार की त्रुटि पायी जाती है तो निर्धारित प्रारूप8 मे तथा यदि कोई 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली तो वह प्रारूप6 बीएलओ के पास जमा कर अपना नाम मतदाता सूची मे सम्मिलित कर सकता है।

मिशन शक्ति फ़ेज-5 के तहत छात्राओं को किया जागरूक

❐ सुरक्षा, अधिकार और आत्मरक्षा की दी जानकारी, हेल्पलाइन नंबरों से कराया अवगत

प्रभात समय संवाददाता

उन्नाव। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति फ़ेज-5 अभियान के अंतर्गत सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइन उन्नाव में बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों और आत्मरक्षा के प्रति विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और किसी भी विपरीत परिस्थिति का सामना आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला थाना प्रभारी रेखा सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता पूजा

मोना त्रिपाठी, डॉ. आशीष श्रीवास्तव एवं अजय कुमार उपस्थित रहे। वक्ताओं ने छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि आपात स्थिति में इनका सही उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। इसके साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया।

महिला थाना प्रभारी रेखा सिंह ने कहा कि आज के दौर में छात्राओं को न केवल अपने अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से भी मजबूत बनना होगा। उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सीखने और सतर्क रहने की सलाह दी। वहीं, अन्य वक्ताओं ने भी छात्राओं को जागरूक रहते हुए किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस या संबंधित विभाग से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने सवाल पूछकर विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किया। इससे कार्यक्रम और अधिक प्रभावी व संवादात्मक बन गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास पैदा करना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सजग करना और समाज में सुरक्षित वातावरण के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

अंत में विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार द्विवेदी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्राओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने की बात कही।

लक्ष्य शिक्षण संस्थान का हुआ भव्य शुभारंभ, पुरवा विधायक अनिल सिंह ने फीता काटकर किया शुभारंभ

बिछिया-उन्नाव। शुक्रवार दोपहर ब्लॉक क्षेत्र के तौरा गाँव भटखेरवा रोड़ स्थित संस्कार डिग्री कॉलेज परिसर में लक्ष्य शिक्षण संस्थान (अंग्रेजी माध्यम) का शुभारंभ करने मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे पुरवा विधायक अनिल सिंह व बिछिया ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। उसके बाद विधायक ने विद्यालय परिसर में उपस्थित जन सभा व नंन्हे मुंन्हे नौनिहालों की संचालित कक्षाओं को देखकर बड़ी ही सराहना की। बच्चो के शिक्षकों को जिंदगी में शिक्षा का आधार बताकर शुभकामनाएं दी। साथ ही शिक्षण संस्थान का नाम लक्ष्य होने को कहा कि यह बच्चो के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक अत्यंत प्रेरणादायक संस्थान हैं। ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता ने कहा कि इन नौनिहालों का भविष्य गुरुओ द्वारा ही निर्माण किया जाता है।

जौनपुर जिले की अंतिम मतदाता सूची जारी

जौनपुर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 4 लाख 1871 मतदाता

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जनपद जौनपुर में शुक्रवार को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत जनपद की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूरी प्रक्रिया और आंकड़ों की विस्तृत जानकारी दी गई। जिले में सबसे अधिक मतदाता 4,01,871, जौनपुर विधानसभा क्षेत्र में हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण से पूर्व जनपद में कुल 35,70,851 मतदाता थे, जिनमें 18,59,013 पुरुष, 17,11,692 महिला और 146 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल थे। पुनरीक्षण के दौरान 2,89,452 मतदाता डुप्लीकेट, मृतक या स्थानांतरित पाए जाने के कारण सूची से पृथक किए गए। इसके बाद 6 जनवरी को प्रकाशित

आलेख्य सूची में 29,81,308 मतदाता दर्ज किए गए। इसमें 16,06,024 पुरुष, 13,75,180 महिला और 104 तृतीय लिंग मतदाता शामिल थे।

जिला प्रशासन द्वारा 8,52,715 मतदाताओं को नोटिस जारी कर 9 ईआरओ और 293 एईआरओ के माध्यम से सुनवाई कराई गई। इस प्रक्रिया में 4172 बूथ लेवल अधिकारियों और 421 सुपरवाइजरों ने घर-घर जाकर सत्यापन किया। जांच के दौरान 2003 की मतदाता सूची के आधार पर पात्र व्यक्तियों को पुनः जोड़ा गया। पुनरीक्षण के दौरान 2,53,669 नए मतदाता जोड़े गए। इसके बाद 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में कुल 32,18,897 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जिनमें 17,32,222 पुरुष, 14,86,556 महिला और 119 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। विधानसभावार आंकड़ों के अनुसार बदलापुर में 3,30,446, शाहगंज में 3,81,806, जौनपुर में 4,01,871, मल्हनी में 3,41,284, मुंगराबादशाहपुर में 3,49,094, मछलीशहर में 3,65,941, मड़ियाहूं में 3,13,529, जाफराबाद में 3,50,740 और केराकत में 3,84,186 मतदाता शामिल हैं। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची 10 अप्रैल से एक सप्ताह तक जिला निर्वाचन कार्यालय, संबंधित ईआरओ कार्यालयों और सभी मतदेय स्थलों पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। साथ ही मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को इसकी हार्ड और सॉफ्ट कॉपी निःशुल्क प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ. अरुण कुमार यादव उपस्थित रहे।

प्रयागराज महापौर ने शुरु किया 'वार्ड चलो अभियान'

❐ वार्ड चलो अभियान' के तहत कृष्ण नगर में महापौर का जनसंपर्क, सरकार की योजनाओं का किया प्रचार

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। घर-घर संवाद, जन-जन तक विकास–योजनाओं की जानकारी ही सशक्त नागरिकता का आधार है। उक्त बात शुक्रवार को 'वार्ड चलो अभियान के दौरान प्रयागराज के कृष्ण नगर में ज-जन से सम्पर्क करते हुए प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने कहा। उन्होंने कहा कि 'वार्ड चलो अभियान' के माध्यम से जनप्रतिनिधि सीधे जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझ रहे हैं और समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार ने बीते वर्षों में विकास, सुशासन और जनसेवा के नए मानक स्थापित किए हैं, जिनका लाभ हर वर्ग तक पहुंच रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के 'वार्ड चलो अभियान' के तहत प्रयागराज महानगर में जनसंपर्क तेज हो गया है। इसी क्रम में महापौर गणेश केसरवानी ने कीडगंज मंडल के वार्ड संख्या 30 कृष्ण नगर में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान महापौर ने घर-घर जाकर लोगों से संवाद किया और उत्तर प्रदेश सरकार के 09 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पत्रक वितरित कर आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को विस्तार से समझाया। जनसंपर्क के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपनी समस्याएं और सुझाव भी रखे, जिस पर महापौर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। इस मौके पर क्षेत्रीय पार्षद मुकेश कसेरा, प्रमोद जायसवाल, बब्बन प्रजापति, संजय श्रीवास्तव, विष्णु त्रिपाठी, मोहम्मद सादमान, संस्कार सिन्हा, हिमालय सोनकर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। 'वार्ड चलो अभियान' के जरिए पार्टी संगठन और जनप्रतिनिधि लगातार जनता के बीच पहुंचकर योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, जिससे जागरूकता और विकास की गति को और बल मिल रहा है।

क्विक न्यूज

मोबाइल दुकान पर जीएसटी की छापा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश में कन्नौज जिले के छिबरामऊ कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया जब एक मोबाइल की दुकान पर जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने अचानक छापेमारी कर दी। यह कार्रवाई शुक्रवार दोपहर 12 बजे शुरू हुई और शाम छह बजे तक लगातार चलती रही। जीएसटी विभाग की टीम ने दुकान पर पहुंचकर दस्तावेजों की गहन जांच की। इस दौरान खरीद-बिक्री से जुड़े बिल, स्टॉक रजिस्टर और टैक्स से संबंधित रिकॉर्ड को खंगाला गया। अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण कागजात अपने कब्जे में भी लिए हैं। इस छापेमारी की खबर फैलते ही आसपास के मोबाइल दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। कई व्यापारियों ने अपनी दुकानों के शटर आंशिक रूप से बंद कर लिए, वहीं कुछ लोग अपनी बिलिंग और रिकॉर्ड को दुरुस्त करते नजर आए। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई टैक्स चोरी की आशंका को लेकर की गई है, हालांकि विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि किसी प्रकार की अनियमितता पाई गई है या नहीं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इस तरह की अचानक कार्रवाई से पूरे बाजार में भय का माहौल बन गया है। फिलहाल सभी की नजर जीएसटी विभाग की अगली कार्रवाई और रिपोर्ट पर टिकी हुई है।

युवती को अगवा कर दुष्कर्म का अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले के थाना नारखी पुलिस टीम ने शुक्रवार को लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने व दुष्कर्म करने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक रामवीर सिंह ने बताया कि महिला सम्बन्धी अपराधों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के क्रम में थाना नारखी पुलिस टीम ने शुक्रवार को वांछित अभियुक्त नवी हुसैन पुत्र अतरे निवासी शाहजंहापुर थाना घिरोर जिला मैनपुरी को राजपुर से फरिहा तिराहा निकट प्याऊ के पास, थाना क्षेत्र नारखी से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त पर एक लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने तथा उससे दुष्कर्म करने का आरोप है। पुलिस ने कार्यवाही कर उसे जेल भेजा है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दुकानदार की मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर शहर से बाजार कर गांव लौट रहे एक बाइक सवार दुकानदार को शुक्रवार को तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। इस दुर्घटना में दुकानदार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया। कोतवाल पवन कुमार पटेल ने बताया कि मृतक की पहचान 40 वर्षीय मनोज निषाद के रूप में हुई है, जो मूल रूप से जनपद फतेहपुर के भरसा गांव के निवासी और वर्तमान में थाना सजेती क्षेत्र के असवारमऊ गांव में रह रहे थे। वह गांव में परचून की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बताया गया कि मनोज हमीरपुर मुख्यालय बाजार में दुकान का सामान लेने आए थे। सामान लेकर बाइक से घर लौटते समय सजेती थाना क्षेत्र के जवाहर नाला के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी और कुचलते हुए फरार हो गया। असवारमऊ के ग्राम प्रधान महावीर निषाद ने बताया कि मनोज को जिला अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मनोज कई वर्षों से अपने ननिहाल असवारमऊ में रह रहे थे और वहीं दुकान चलाते थे। मृतक के परिवार में पत्नी गीता, एक पुत्र और एक पुत्री हैं। घटना के बाद पत्नी गीता बेसुध हो गईं, वहीं पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाल पवन कुमार पटेल ने बताया कि शव कब्जे में लेकर ट्रक चालक की तलाश कराई जा रही है।

पुलिस चौकी के निकट दो सर्राफा समेत तीन दुकानों में लाखों की चोरी

फर्रुखाबाद। थाना मऊ दरबाजा क्षेत्र में शातिर चोरों ने बीती रात पुलिस चौकी के निकट तीन दुकानों से लाखों के जेवर नकदी व सामान चुराकर पुलिस को खुली चुनौती दी है। घटना की जानकारी मिलने पर को सीओ सिटी अभय वर्मा, थाना अध्यक्ष अजब सिंह एवं हथियापुर चौकी इंचार्ज पंकज कुमार यादव ने मामले की जांच पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से चोरी के साक्ष्य जुटाए।

डा निशांत पाण्डेय को डीएम ने किया सम्मानित, जिले का नाम किया रोशन

प्रभात समय संवाददाता

बलरामपुर। बलरामपुर निवासी डॉ निशांत पाण्डेय पेशे से आईटी प्रोफ़ेशनल और सोशल वर्कर है लेकिन लेखन के दिशा में एक बेहतर कार्य किया है। डॉ. निशांत पांडे की नई पुस्तक 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (एआई) इन दिनों चर्चा में है। यह किताब एआई जैसे जटिल विषय को सरल भाषा में प्रस्तुत करती है और तीन श्रेणियों में इंटरनेशनल बेस्टसेलर का दर्जा हासिल कर चुकी है। डॉ. निशांत पांडे ने बहुआयामी कार्यों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई और जिले का नाम रौशन किया। उनकी यह पुस्तक विशेष रूप से एआई के बढ़ते प्रभाव और उसके सही उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से लिखी गई है। जिसको लेकर बलरामपुर महोत्सव 2026 में डीएम डॉ विपिन कुमार जैन, नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, सीडीओ, ने सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके अलावा डॉ. निशांत पांडे को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'नेताजी स्मृति पुरस्कार 2025' सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इसके अतिरिक्त, 'हाइट ऑफ सक्सेस' द्वारा उन्हें 'राइजिंग स्टार' के रूप में नामित किया गया है। फैज़ाबाद मैजिक बुक में बेस्ट एचिवर अवार्ड मिला। 'लेजेंडरी पीस अवार्ड काउंसिल' और 'मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड ग्लोबल आइकन अवार्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उनके योगदान की सराहना की गई है।

यमुना नदी पुल पर निर्माणाधीन गेट की शटरिंग ढही, काम कर रहे छह मजदूर दबने से घायल

प्रभात समय संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में जालौनऽऔरैया स्टेट हाईवे पर शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यमुना नदी पर बने पुल पर निर्माणाधीन गेट की बीम की शटरिंग अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे उस पर काम कर रहे करीब आधा दर्जन मजदूर नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा शेरगढ़ गांव में हुआ है।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मजदूरों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत सहायता के लिए दौड़ पड़े और राहत कार्य शुरू किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल एंबुलेंस के जरिए जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया।डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दयालपुर भीखमपुर निवासी गोविंद पुत्र जगत सिंह और सलेमपुर निवासी धीरेंद्र पुत्र गया प्रसाद की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज चिचौली रेफर कर दिया। अन्य घायल मजदूरों–धीरू, सुनील, रूप सिंह, रवि और हीरो–को भी बेहतर इलाज के लिए वहीं भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन गेट के दूसरी ओर बीम डालने के लिए लगाई गई शटरिंग अचानक कमजोर होकर गिर पड़ी। शटरिंग पर खड़े मजदूर सीधे नीचे आ गिरे, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। काम के समय सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे और न ही मौके पर सक्षम अधिकारी ही थे। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका जताई जा रही है। जालौन के एसडीएम हेमंत पटेल ने मीडिया को बताया कि जांच के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत, बोलोरो चालक फरार

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ जनपद के घोसी थाना क्षेत्र स्थित जामडीह इलाके में बुधवार देर रात सड़क हादसे में एक ही गांव के तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि बीबीपुर गांव निवासी बेचन यादव (30), प्रमोद यादव (28) और आजाद यादव (32) आपस में गहरे मित्र थे। तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर घोसी स्थित एक निजी अस्पताल में अपने दोस्त को खाना पहुंचाने गए थे, जहां उसके घर में नवजात शिशु के जन्म के चलते उसकी पत्नी भर्ती थी। बुधवार की देर रात खाना पहुंचाकर लौटते समय जामडीह के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बोलोरो से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया।

खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर विभिन्न प्रतिष्ठानों से भरे गये 35 नमूनों में 04 फ़ेल

प्रभात समय संवाददाता

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि आयुक्त व जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार दीक्षित के नेतृत्व में नगर क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों व दुकानों से फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स (एफएसडब्ल्यू) ने कुल 35 खाद्य पदार्थों के नमूने जाँचे गये, जिसमें से 04 खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जाँच में मानक के अनुरूप नहीं पायी गई।

दुकानदार मनोज कुमार पुत्र शिवमोहन, भिटौरा रोड, बिसौली, फतेहपुर से बूंदी लड्डू, बेसन, पेड़ा बर्फी, रक्षा किराना स्टोर, भिटौरा रोड, बिसौली, फतेहपुर से कालीमिर्च, सौंफ, जीरा, प्रशान्त कुमार पुत्र राजेश कुमार, मिटौरा रोड, बिसौली, फतेहपुर से छेना, बेसन लड्डू, पेडा, बर्फी, गंगाचरण पुत्र बाबूलाल, भिटौरा रोड, बिसौली, फतेहपुर से चना दाल, हल्दी पाउडर, अखिलेश कुमार पुत्र रामसूरज, भिटौरा रोड, बिसौली, फतेहपुर से टमाटर चटनी, धनिया पाउडर, नूर मोहम्मद पुत्र गुलाम, सदर हास्पिटल के पास, फतेहपुर से बेसन लड्डू, पेड़ा, चटनी, खोया, बीकानेर स्वीट हाउस, पत्थरकटा चौराहा, फतेहपुर से बर्फी, बूंदी लड्डू, बेसन लड्डू, संजय पुत्र मन्नू लाल, पत्थरकटा चौराहा, फतेहपुर से आइसक्रीम बादाम शेक, जितेन्द्र कुमार मौर्य, पत्थरकटा चौराहा, फतेहपुर से फिंगर नमकीन, सरवन पुत्र राम दुलारे, पत्थरकटा चौराहा, फतेहपुर से पनीर, दूध, दयाशंकर पुत्र श्याम लाल, पुलिस अधीक्षक आवास के सामने, फतेहपुर से गोल मिर्च, सौंफ, जीरा, सुरेश चन्द्र किराना स्टोर, पुलिस अधीक्षक आवास के सामने, फतेहपुर से हल्दी पाउडर, काली मिर्च, जीरा, गोविन्द पाल पुत्र रज्जू पाल, पुलिस अधीक्षक आवास के सामने, फतेहपुर से पेड़ा, बेसन लड्डू, चाय की पत्ती, मोबाइल टेस्टिंग लैब वैन द्वारा सैम्पल लेने के कुछ मिनट में ही नमूनो की रिपोर्ट दे दी गयी।

इस मौके पर उपस्थित समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं तथा आम जनमानस को अपमिश्रण से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया। ऐसे खाद्य कारोबारकर्ताओं जिनके प्रतिष्ठान से जॉच के लिए लिया गया नमूने मानक के अनुरूप नही पाये गये उन्हे कठोर चेतावनी देते हुए भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न किये जाने के सख्त निर्देश दिये गये। इस मौके पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार दीक्षित, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिद्धार्थ कुमार उपस्थित रहे।

विवाद के बाद फायरिंग में एक ही परिवार के पाँच घायल

प्रभात समय संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के बल्दीराय थाना क्षेत्र के बघौली गांव में गुरुवार रात दावत का न्योता देने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि दबंगों ने एक ही परिवार के पांच लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत नाजुक देखते हुए उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात बघौली गांव निवासी समरजीत यादव की पत्नी की तेरहवीं का कार्यक्रम था। समरजीत की पुत्री प्रीति यादव अपने पट्टीदारों त्रिवेणी यादव और राजेश यादव के घर निमंत्रण देने गई थी। वहां किसी बात को लेकर राजेश यादव ने प्रीति के साथ गाली-गलौज और अभद्रता शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और राजेश ने अपने साथियों के साथ मिलकर समरजीत के परिवार पर फायरिंग कर दी।

फायरिंग के दौरान चली गोलियों के छर्रों से समरजीत यादव के परिवार के 5 सदस्य लहूलुहान होकर गिर पड़े।घायलो मे संतोष पुत्र राज नरायन निवासी खंडासा, प्रीति यादव पुत्री सभाजीत, दिलीप पुत्र सभाजीत और दिव्यांश पुत्र देवेंद्र कुमार निवासी गण बिघौली व योगेंद्र यादव कुमारगंज अयोध्या घायल हुए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में दिलीप यादव को शरीर में काफी छर्रे लगे हैं, जिसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेज दिया है। पुलिस ने आरोपितो की धरपकड़ के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं। घायल संतोष कुमार ने बताया कि आरोपियों के पास .315 बोर के असलहे और अन्य असलहे मौजूद थे। उसने बताया हम लोग शादी से खाना खाकर लौटकर दरवाज़े पर खड़े थे। तभी त्रिवेणी, संगम और राजेश असलहों के साथ वहां पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। उसने बताया आरोपितो के साथ उसका कोई पुराना विवाद नहीं था। वे आपस में रिश्तेदार भी बताए जा रहे हैं। संतोष ने यह भी बताया कि शाम के समय दो पुलिसकर्मी वहां आए थे। पुलिसकर्मियों ने जब उनसे पूछा कि वे कौन हैं, तो उन्होंने बताया कि वे रिश्तेदार हैं। इसके बाद पुलिस ने उन्हें वहां से घर जाने या कार्यक्रम में जाने को कह दिया। रात करीब 9 बजे के बाद, जब वे खाना खा चुके थे, तभी आरोपियों ने अचानक हमला कर दिया।

जौनपुर में आग से गुमटियां जलकर राख

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में लाइन बाजार थाना क्षेत्र स्थित वाजिदपुर तिराहे के पास सिटी टावर से पहले सड़क किनारे बनी गुमटियों में शुक्रवार सुबह 4 बजे आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई गुमटियां इसकी चपेट में आ गईं।

प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दिया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के अधिकारी नागेंद्र द्विवेदी अपनी टीम और दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। आग ने विकराल रूप ले लिया था, जिसे काबू में करने में टीम को घंटों मशक्कत करनी पड़ी।प्रत्यक्षदर्शी कृपावंश जायसवाल ने बताया कि वह सुबह करीब 4 बजे मॉर्निंग वॉक पर जा रहे थे, तभी अचानक आग लगी देखी। उन्होंने तुरंत लोगों को फोन कर सूचना दी और फायर स्टेशन को भी जानकारी दी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

आग से कई दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है। पीड़ित दयाराम प्रजापति ने बताया कि उनकी नाश्ते की दुकान में आग लगने से करीब 60 से 65 हजार रुपये का सामान जलकर राख हो गया। वहीं, बबलू प्रजापति की गुमटी पूरी तरह से जल गई, जिससे उन्हें काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पीड़ितों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। इस संबंध फायर अधिकारी नागेंद्र द्विवेदी ने बताया कि आग लगने के सही कारणों का पता जांच के बाद ही चल पाएगा, हालांकि शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है।घंटों को कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया है। कोई जनहानि नहीं है।

प्रभात समय

खेल/बिजनेस

7

लखनऊ, शनिवार, 11 अप्रैल 2026

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत ने 16 पदकों के साथ अभियान किया समाप्त

❐ विश्वनाथ सुरेश ने जापान के दाइची इवाई को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक अपने नाम किए। पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश ने जापान के दाइची इवाई को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस संस्करण में स्वर्ण जीतने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष मुक्केबाज बने। भारत पदक तालिका में पांच स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कजाखस्तान एक स्वर्ण अधिक के साथ शीर्ष पर रहा। हालांकि, कुल पदकों के मामले में भारत सबसे आगे रहा।

पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में सचिन सिवाच को कजाखस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन ओराज़बेक असिलकुलोव से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा हर्ष चौधरी (90 किग्रा), आकाश (75 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा) और नरेंद्र (+90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग में भारत की सभी 10 मुक्केबाजों ने पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। जैस्मीन लांबोरिया (57 किग्रा) और अल्फिया पठान (+80 किग्रा) ने रजत पदक जीते, जबकि निकहत जरीन (51 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान भारतीय मुक्केबाजी के लिए बेहद शानदार रहा, खासकर महिला मुक्केबाजों ने चार स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने युवा प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है।

केकेआर मेरा घर है: आंद्रे रसेल

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच शेन वॉटसन और पावर कोच आंद्रे रसेल हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक खास बातचीत में शामिल हुए। इस दौरान दोनों ने अपने खेल के दिनों की यादें ताजा कीं और रसेल के कोचिंग करियर में बदलाव पर खुलकर चर्चा की।

बातचीत के दौरान शेन वॉटसन ने रसेल की लंबी और प्रभावशाली क्रिकेट यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में इस स्तर पर निरंतर प्रदर्शन करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है और रसेल ने इसे बखूबी निभाया है। अपनी नई भूमिका पर बात करते हुए आंद्रे रसेल ने बताया कि 'पावर कोच' के तौर पर उनकी जिम्मेदारी खिलाड़ियों को टी20 क्रिकेट में बाउंड्री, खासकर छक्कों के महत्व को समझाना है। उन्होंने कहा कि उनका काम खिलाड़ियों की तकनीक बदलना नहीं, बल्कि उनके खेल में पावर-हिटिंग की क्षमता को और निखारना है। रसेल ने स्वीकार किया कि खिलाड़ी से कोच बनने का यह बदलाव उनके लिए भावनात्मक रहा है। मैच के दौरान कई बार उन्हें ऐसा लगता है कि वे खुद मैदान में उतरकर टीम की मदद करें, लेकिन अब उन्हें अपनी नई भूमिका के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है। उन्होंने अपने पहले मैच के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि कोच के रूप में मैदान पर रहना उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव था और शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि अपनी भूमिका को कैसे निभाएं।

केकेआर के साथ अपने खास रिश्ते पर बात करते हुए रसेल ने कहा कि यह फ्रेंचाइजी उनके लिए घर की तरह है। उन्होंने टीम द्वारा इस सीजन में दिए गए सम्मान को अपने करियर के सबसे भावुक पलों में से एक बताया। वहीं, शेन वॉटसन ने भी रसेल के साथ अपने पुराने मुकाबलों को याद करते हुए उनके प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया और उन्हें कोचिंग टीम में शामिल होने पर स्वागत किया।

एलएसजी में वानिंदु हसरंगा की जगह लेंगे जॉर्ज लिंडे

एजेंसी

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर जॉर्ज लिंडे, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) में वानिंदु हसरंगा की जगह लेने के लिए तैयार हैं। वानिंदु हसरंगा टी20 वर्ल्ड कप के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट से पूरी तरह उबर न पाने के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। क्रिकबज ने पहले ही रिपोर्ट किया था कि एलएसजी श्रीलंकाई खिलाड़ी को टीम से हटाने का फैसला जल्द ही ले सकती है। इस बात की औपचारिक पुष्टि गुरुवार को फ्रेंचाइजी के क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी ने की। ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एलएसजी के मैच के दौरान इस ऑस्ट्रेलियाई ने कहा, ''वानिंदु हसरंगा हमारी टीम में शामिल नहीं हो पाएंगे और हम उनकी जगह किसी दूसरे खिलाड़ी को लाने की तैयारी कर रहे हैं। हम अगले 24 से 48 घंटों में इसकी घोषणा करेंगे।''

माना जा रहा है कि फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार (10 अप्रैल) को यह फैसला लिया। उन्होंने कुछ अन्य विदेशी स्पिनरों को भी शॉर्टलिस्ट किया था, जिनमें अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान और इंग्लैंड के लियाम डॉसन शामिल थे। लेकिन आखिर में, उन्होंने 34 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी को चुना। लिंडे ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 37 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 147.61 की स्ट्राइक रेट से 403 रन बनाए हैं और 7.58 की इकॉनमी रेट से 35 विकेट लिए हैं। यह आईपीएल में लिंडे का पहला अनुभव होगा। वह 1 करोड़ रुपये की अपनी बेस प्राइस पर एलएसजी में शामिल होंगे।

पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी जिम्बाब्वे महिला टीम, खेलेगी छह मैचों की सफ़ेद गेंद सीरीज

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम अपने इतिहास में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाने के लिए तैयार है, जहां वह तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मुकाबलों की श्रृंखला खेलेगी। यह सभी मुकाबले कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 3 मई से शुरू होगी, जो आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2025-29 का हिस्सा है। इसके बाद 12 मई से टी20 श्रृंखला खेली जाएगी। पाकिस्तान महिला टीम इस समय महिला चैम्पियनशिप तालिका में पांचवें स्थान पर है। टीम को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं जिम्बाब्वे महिला टीम सातवें स्थान पर है और उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में हार मिली थी। जिम्बाब्वे टीम 29 अप्रैल को पाकिस्तान पहुंचेगी और श्रृंखला की तैयारियां शुरू करेगी।

पंजाब किंग्स का लक्ष्य एसआरएच के खिलाफ अपनी लय को बनाए रखना

एजेंसी

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स आईपीएल 2026 में अपनी शुरुआती लय को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखेगी, जब वे शनिवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 17वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेंगे। यह मुकाबला दोनों टीमों की फॉर्म, संतुलन और खेल के तरीके में अंतर के लिए जाना जाएगा। पंजाब किंग्स ने इस सीजन की शुरुआत मजबूती से की है; उन्होंने अपने पहले तीन मैचों में से दो जीते हैं और खुद को शुरुआती दावेदारों के रूप में स्थापित किया है। उनकी बैटिंग यूनिट ने कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में स्थिरता दिखाई है, जबकि प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्कस स्टोइनिस और रमनदीप सिंह ने मिडिल ऑर्डर में गहराई और लचीलापन प्रदान किया है। उनका बॉलिंग अटैक भी हर चरण में प्रभावी रहा है, जिसकी अगुवाई अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, विजयकुमार वैशाक और मार्को यानसन कर रहे हैं। वहीं, युजवेंद्र चहल, हरप्रीत बरार और अनुकूल रॉय की स्पिन जोड़ी ने मिडिल ओवर्स में मैच पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद की है। इस तालमेल की बदौलत पंजाब किंग्स ज़्यादा स्कोर वाले और कम स्कोर वाले, दोनों तरह के मुकाबलों में संतुलन बनाए रखने में सफल रही है। सनराइजर्स हैदराबाद का अब तक का सफ़र मिला-जुला रहा है; उन्होंने तीन मैचों में से सिर्फ़ एक जीता है। उनकी टीम में जबरदस्त क्षमता तो है, लेकिन वे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में कमज़ोर साबित हुए हैं। उनकी बैटिंग लाइनअप में अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नीतीश कुमार रेड्डी, एडेन मार्करम, अब्दुल समद और लियाम लिविंगस्टोन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी अकेले दम पर मैच जिताने की क्षमता रखते हैं, लेकिन लगातार लंबी साझेदारियां बनाने में उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। वहीं, उनके बॉलिंग यूनिट में हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, टी नटराजन, शिवम कुमार और हर्ष दुबे शामिल हैं। इन गेंदबाजों ने बीच-बीच में अपनी प्रभावशीलता की झलक तो दिखाई है, लेकिन दबाव भरे पलों में मैच को निर्णायक मोड़ तक पहुंचाने में वे लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

इस मुकाबले का मुख्य आकर्षण पंजाब किंग्स का व्यवस्थित और संतुलित दृष्टिकोण बनाम एसआरएच का 'ज़्यादा जोखिम, ज़्यादा इनाम' वाला क्रिकेट खेलने का अंदाज़ होगा। जहां एक ओर पंजाब किंग्स ने सामूहिक प्रदर्शन और हर खिलाड़ी की भूमिका की स्पष्टता पर भरोसा किया है, वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद का दारोमदार काफ़ी हद तक व्यक्तिगत प्रदर्शनों पर टिका है, खासकर मिडिल ऑर्डर में क्लासेन के तूफ़ानी खेल पर। मुल्लांपुर की पिच के संतुलित होने की उम्मीद है। यहां मध्यम स्कोर बनने की संभावना है और पिच से तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनरों को भी मदद मिलने की उम्मीद है। लगभग 170 का कुल स्कोर मुकाबला कड़ा बना सकता है, जिससे टॉस और शुरुआती लय बेहद अहम हो जाएंगे।

एडीबी ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.9 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व बैंक के बाद एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। अगले वित्त वर्ष में इसके 7.3 फीसदी रहने की संभावना है।

एडीबी ने अपने ताजा 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट' में मजबूत घरेलू मांग, आसान वित्तपोषण परिस्थितियों और भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के कम शुल्क के समर्थन के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। दिसंबर, 2025 में जारी 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट' में एडीबी ने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया था।

एडीबी ने कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है, तो इससे कई माध्यमों के जरिए भारत के व्यापक आर्थिक प्रदर्शन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इनमें ऊर्ज़ा कीमतों में वृद्धि, व्यापार प्रवाह में बाधा एवं धन प्रेषण (रेमिटेंस) में कमी शामिल हैं, क्योंकि यह क्षेत्र भारत के बाहरी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। एशियाई विकास बैंक ने 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट' में कहा है कि खाद्य कीमतों में पहले आई गिरावट के बाद उछाल, वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि, मुद्रा की कमजोरी और कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों के कारण मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2025-26 के 2.1 फीसदी से बढ़कर चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 4.5 फीसदी हो सकती है। अगले वित्त वर्ष 2027-28 में तेल कीमतों में नरमी के कारण यह घटकर चार फीसदी रहने का अनुमान है। एडीबी ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2027-28 में आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 7.3 फीसदी हो सकती है, जिसे घरेलू सुधारों, यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौतों के प्रभाव और सरकारी वेतन वृद्धि से समर्थन मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते से निर्यात को बढ़ावा मिलने से बाहरी मांग भी मजबूत होने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि से मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ेगा, चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और लागत बढ़ने से आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है।

इससे पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा में देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। भारत के ग्रोथ अनुमान में बढ़ोतरी की मुख्य वजह देश में मजबूत घरेलू मांग और बेहतर एक्सपोर्ट परफॉर्मेंस को माना गया है। विश्व बैंक ने भी एक दिन पहले चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 6.6 फीसदी कर दिया था। भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज करने का अनुमान है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 7.1 फीसदी से अधिक है। इस वृद्धि की मुख्य वजह आयकर और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती, खाद्य कीमतों में गिरावट से मजबूत घरेलू

सर्राफा बाजार में फिसला सोना चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज गुरुवार के शुरुआती कारोबार की तुलना में 2,170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,360 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी कीमत में भी कल के शुरुआती कारोबार की तुलना में 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,620 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 6.51 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने गुरुवार को बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद आज शानदार वापसी की। आज के कारोबार में सेंसेक्स 990 अंक तक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में 298 अंक तक की छलांग लगाई। माना जा रहा है कि पश्चिम एशिया में शांति वार्ता शुरू होने की उम्मीद, मजबूत ग्लोबल संकेत और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार हुई खरीदारी के कारण शेयर बाजार में सुबह से ही तेजी का माहौल बना रहा।

आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच कुछ देर तक खींचतान भी होती रही, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में उतार चढ़ाव भी होता रहा। हालांकि, अंत में खरीदारों का पलड़ा ही भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.20 प्रतिशत और निफ्टी 1.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह रियल्टी, बैंकिंग, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, निफ्टी के आईटी इंडेक्स और बीएसई के टेक इंडेक्स बिकवाली के दबाव में गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी का आईटी इंडेक्स 1.91 प्रतिशत टूट गया। इसी तरह बीएसई का टेक इंडेक्स 1.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.65 प्रतिशत की उछाल के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 451.23 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.51 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,362 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 944 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 143 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,970 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,479 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 491 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और पांच शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और आठ शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 489.36 अंक की मजबूती के साथ 77,121.01 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 270 अंक फिसल कर 76,851.16 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही खरीदारी के कारण शाम तीन बजे के थोड़ी देर बाद सेंसेक्स 990.85 अंक की तेजी के साथ 77,622.50 अंक तक पहुंच गया। दिन के कारोबार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बीच-बीच में मामूली बिकवाली भी होती रही। इसके बावजूद खरीदारों का जोश इतना अधिक था कि इस सूचकांक की चाल पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 918.60 अंक की बढ़त के साथ 77,550.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 105.45 अंक उछल कर 23,880.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से थोड़ा फिसल कर 23,856.35 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही खरीदारी के कारण आज का कारोबार खत्म होने के कुछ देर पहले निफ्टी 298.95 अंक की मजबूती के साथ 24,074.05 अंक के स्तर तक पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली बिकवाली की वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे लुढ़क कर 275.50 अंक की मजबूती के साथ 24,050.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एशियन पेंट्स 4.01 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 3.87 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 3.17 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.14 प्रतिशत और बजाज ऑटो 3.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, कोल इंडिया 4.40 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 3.62 प्रतिशत, इंफोसिस 2.94 प्रतिशत, टीसीएस 2.50 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 1.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

ज्ञान को धन में परिवर्तित करने को तकनीक के साथ कुशल कार्यबल, अनुसंधान भी जरूरी : गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि ज्ञान को धन में परिवर्तित के लिए नवाचार, विज्ञान तथा तकनीक के साथ-साथ कुशल कार्यबल और निरंतर अनुसंधान पर जोर देना आवश्यक है।

गडकरी ने निर्माण उद्योग विकास परिषद की ओर से यहां आयोजित 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार और प्रदर्शनी 'विकसित भारत 2047' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा ,ल्लवैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता से समझौता न करना और शॉर्टकट से बचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है कि तत्काल निर्णय लिए जाएं, परियोजना योजना अच्छी हो और काम की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसके अलावा अगर हम नई तकनीक अपनाएं और काम करने के तरीके को सुधारें तो परियोजनाओं की लागत काफी कम हो सकती है। इसके लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए भूमि अधिग्रहण और जरूरी मंजूरियों को पहले ही निपटाया जाए क्योंकि पहले की देरी और प्रशासनिक बाधाओं ने प्रोजेक्ट की समयसीमा और ठेकेदारों के बजट को काफी नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट में केवल कम लागत ही नहीं बल्कि गुणवत्ता और प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें जैव ईंधन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों को अपनाना चाहिए। इससे न केवल पेट्रोल-डीजल पर हमारी निर्भरता कम होगी बल्कि खर्च भी घटेगा। साथ ही सड़क बनाने में प्लास्टिक कचरे और पुराने टायरों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय अवसंरचना कंपनियों ने दुबई, कतर और कई अफ्रीकी देशों में प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करके वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। गडकरी ने समारोह में विजेताओं को 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार प्रदान किए और निर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्र में गुणवत्ता एवं नवाचार में उनके योगदान के लिए उन्हें बधाई दी।

मप्र के ओंकारेश्वर में नाव पलटने से झारखंड से आए 10 श्रद्धालु डूबे, रेस्क्यू कर सभी को निकाला

एजेंसी

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिला स्थित प्रसिद्ध तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में शुक्रवार को नर्मदा नदी में नाव पलटने से झारखंड के रहने वाले 10 श्रद्धालु डूब गए, जिन्हें रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर है। जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खंडवा के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने ने बताया कि झारखंड के रांची से करीब 52 लोगों का जत्था शुक्रवार को ओंकारेश्वर आया हुआ था। दोपहर करीब 12 बजे अलग-अलग नाव से सभी लोग नर्मदा नदी में नौका विहार कर रहे थे। इसी दौरान एक नाव में सवार 10 लोग ब्रह्मपुरी घाट से संगम घाट की तरफ जा रहे थे। इसी बीच नवीन घाट के पास नाव एक चट्टान से टकरा गई। टक्कर लगने से लकड़ी की नाव का पटिया टूट गया। नाव का पटिया टूटने से उसमें पानी भर गया, जिससे नाव पलट गई। नाव में सवार सभी 10 लोग डूब गए। मौके पर तैनात होमगार्ड जवानों ने रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला। इनमें आठ लोगों की हालत ठीक है, जबकि दो लोग ज्यादा पानी निगल चुके थे, उनके फ़ेफड़ों में पानी भर गया है। जिन्हें गंभीर हालत में ओंकारेश्वर से सनावद भेजा गया है।अभी हादसे का शिकार हुए लोगों के नाम और पता नही मालूम हो सके हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। इसकी जानकारी मिलने पर बाद में विस्तृत खबर दी जाएगी।

राशन घोटाला मामले में ईडी ने राज्य के 12 ठिकानों पर की छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राशन वितरण में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रवर्तन निदेशालय एक बार फिर सक्रिय हो गया है। शुक्रवार सुबह से पश्चिम बंगाल के कई जिलों में एक साथ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कोलकाता, हावड़ा, बनगांव और मुर्शिदाबाद सहित राज्य के कुल 12 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। जांच एजेंसी राशन वितरण की प्रक्रिया और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन की पड़ताल कर रही है। कोलकाता में बसंत कुमार रोड स्थित एक व्यवसायी के आवास पर सुबह-सुबह प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी पहुंचे। यहां राशन वितरण के तौर-तरीकों और आपूर्ति के नेटवर्क को लेकर संबंधित व्यवसायी से पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा शहर के पोद्दार कोर्ट और मिंटो पार्क इलाके में भी कई स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है। दूसरी ओर, रानीगंज में अजय कोयाल नामक व्यवसायी के घर पर भी प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा। अजय कोयाल का रानीगंज में लंबे समय से चावल का कारोबार है, जिसका विस्तार राज्य के अलावा देश के अन्य हिस्सों तक बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, वह विदेशों में भी चावल की आपूर्ति करते हैं।

शुक्रवार सुबह केंद्रीय बलों के साथ चार वाहनों में पहुंचे अधिकारियों ने अजय कोयाल के आवास पर पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई को राशन घोटाला मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है और आने वाले समय में इससे जुड़े और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

मप्र में महिला उद्यमिता को मिला बढ़ावा

एमएसएमई में 17 फीसद इकाइयों को महिलाएं कर रहीं संचालित

❐ एमएसएमई विकास नीति : 2025 ने महिलाओं को बनाया आत्म निर्भर

एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला सशक्तीकरण, उद्यमिता और वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को मध्य प्रदेश सरकार बेहतर तरीके से साकार कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अगुवाई में एमएसएमई विकास नीति : 2025 और स्टार्ट-अप नीति : 2025 ने महिलाओं को उद्यमी बनाने में अहम भूमिका निभाई है। अब एमएसएमई सेक्टर की 17 फीसद इकाइयों को महिलाएं संचालित कर रही हैं।

मध्य प्रदेश की नीतियों में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व और योजनाओं के कारण ही 24 लाख 34 हजार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम में से 4.11 लाख यानि 17 फीसदी इकाइयां महिलाओं के द्वारा संचालित की जा रही हैं। गत वर्ष ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकार्पित स्टार्ट-अप नीति में 7264 में से 3476 यानि 48 स्टार्ट-अप महिलाओं के हैं। मध्यप्रदेश की यह तस्वीर राज्य सरकार की देश में सशक्त उपस्थिति दर्ज कराता है। इससे स्पष्ट है कि महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत का सपना मध्यप्रदेश में साकार हो रहा है। जनसंपर्क अधिकारी राजेश बैन ने शुक्रवार को बताया कि ने बताया कि मध्य प्रदेश की एमएसएमई विकास नीति : 2025 में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। अब उन महिला उद्यमियों को जो संयंत्र और मशीनरी में निवेश कर रही हैं, उन्हें ?10 करोड़ तक के निवेश पर अधिकतम 48 प्रतिशत तक की पूंजी अनुदान दिए जाने का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं के लिए यह दर अधिकतम 50 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जबकि सामान्य वर्ग के लिए 40 प्रतिशत है। इस नीति से मार्च 2026 तक 24.34 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों में से करीब 4.11 लाख महिलाओं द्वारा स्थापित की गई हैं।

इसके अतिरिक्त स्टार्ट-अप नीति एवं कार्यान्वयन योजना : 2025 में महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप को 18% वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। प्रति ट्रॉच 18 लाख रुपये तक की मदद मिल सकती है और कुल सहायता 72 लाख रुपये तक हो सकती है।

'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का नया गाना 'मेरा जी नहीं भरा' रिलीज

एजेंसी

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' का नया रोमांटिक गाना 'मेरा जी नहीं भरा' रिलीज हो गया है। सलमान खान फिल्म्स म्यूजिक के बैनर तले जारी यह ट्रैक अपनी सुकून भरी धुन और भावनात्मक विजुअल्स के चलते दर्शकों के दिलों को छू रहा है। गाना ज़ैन शॉ और अभिश्री सेन पर फिल्माया गया है, जिसमें युद्ध जैसे कठिन माहौल के बीच पनपती एक खूबसूरत प्रेम कहानी को संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है। इसके मनमोहक लोकेशन्स और सौम्य प्रस्तुति इसे खास बनाते हैं।

इस गाने को श्रेया घोषाल और विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज़ दी है, जो इसे और भी दिलकश बनाती है। संगीत शमीर टंडन और कुमार गौरव सिंह ने तैयार किया है, जबकि गीत के बोल विश्वदीप ज़ीस्त ने लिखे हैं। शबीना खान की कोरियोग्राफी गाने में एक अलग ही नज़ाकत और ग्रेस जोड़ती है। मेकर्स के अनुसार यह गाना फिल्म की कहानी में एक अहम मोड़ लाता है और भावनाओं की गहराई को दर्शाता है।

अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले तैयार की गई है और बहादुरी, बलिदान व हिम्मत की कहानी पेश करती है। ज़ैन शॉ जहां अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाते नजर आ रहे हैं, वहीं अभिश्री सेन इस फिल्म से एक मजबूत डेब्यू कर रही हैं। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका निभाती दिखाई देंगी। यह गाना मुश्किल हालातों में भी प्यार और इंसानियत को खोजने को खूबसूरती से सामने लाता है।

सलमान ने अनंत अंबानी को जन्मदिन पर दी खास अंदाज में शुभकामनाएं

सलमान खान एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने किसी फिल्म को नहीं, बल्कि अनंत अंबानी को उनके 30वें जन्मदिन पर खास अंदाज में शुभकामनाएं दी हैं। अभिनेता का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अनंत अंबानी के साथ एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह उनके साथ मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, ''अगर याददाश्त कमजोर हो तो लिख लो... ये आदमी देश को भी उठाएगा... मेरे छोटे भाई अनंत लंबे समय तक जिंदा रहें... दिल और दिमाग का अंबानी, शुद्ध आत्मा।

रणदीप हुड्डा ने बताया बेटी का नाम, दिखाई पहली झलक

एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम 10 मार्च को अपनी बेटी के माता-पिता बने थे। बेटी के जन्म के एक महीने बाद अब इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर उसकी पहली प्यारी तस्वीर शेयर की है और साथ ही उसके नाम का भी खुलासा किया है।

शेयर की गई तस्वीरों में लिन लैशराम अपनी नन्ही बेटी को गोद में लिए नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में वह बेटी को प्यार से उठाए हुए उस पर स्नेह लुटाती दिख रही हैं। इन खूबसूरत पलों को फैंस के साथ साझा करते हुए अभिनेता ने बेटी के नाम का भी ऐलान किया।

रणदीप ने कैप्शन में लिखा, ''हमारी दुनिया का एक नया केंद्र३ 'न्योमिक हुड्डा', दिव्य कृपा, स्वतंत्रता और आकाश के समान असीम।'' इसके साथ ही पोस्ट में एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी शामिल है, जिसमें रणदीप और लिन अपनी बेटी का नाम प्यार से पुकारते हुए सुनाई दे रहे हैं।

गौरतलब है कि रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम ने नवंबर, 2023 में पारंपरिक मैतेई रीति-रिवाज से शादी की थी। अब बेटी के जन्म और उसके नाम के खुलासे के बाद फैंस इस जोड़े को जमकर बधाइयां दे रहे हैं।

'है जवानी तो इश्क...' की रिलीज डेट फिर बदलेगी

एजेंसी

अभिनेता वरुण धवन की आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है', की रिलीज डेट को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। हाल ही में फिल्म की रिलीज 12 जून तय की गई थी, लेकिन अब इसे तय तारीख से पहले रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माता फिल्म को 22 मई को सिनेमाघरों में उतारने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि फिल्म लगभग तैयार है और मई के दूसरे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर प्रतिस्पर्धा कम रहने के कारण यह समय अनुकूल माना जा रहा है। साथ ही गर्मियों की छुट्टियों का फायदा उठाने की भी योजना है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी कर रहे हैं। इससे पहले फिल्म को 5 जून को रिलीज किया जाना था, लेकिन यश की फिल्म 'टॉक्सिक' के साथ टकराव से बचने के लिए तारीख में बदलाव किया गया था। निर्माताओं की ओर से नई रिलीज डेट को लेकर जल्द आधिकारिक घोषणा किए जाने की उम्मीद है।

फिल्म 'महावतार' में विक्की कौशल के साथ नजर आ सकती हैं श्रद्धा कपूर

एजेंसी

विक्की कौशल के लिए साल 2025 बेहद सफल रहा, जब उनकी ऐतिहासिक फिल्म 'छावा' ने भारत में करीब 800 करोड़ रुपये का कारोबार करते हुए बड़ी सफलता हासिल की। अब दर्शकों की निगाहें उनकी अगली फिल्म 'महावतार' पर टिकी हैं। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस पौराणिक फिल्म को लेकर ताजा चर्चा है कि श्रद्धा कपूर इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकती हैं, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार 'स्त्री' फ्रैंचाइजी के निर्देशक अमर कौशिक अपनी इस महत्वाकांक्षी फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर से बातचीत कर रहे हैं। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो फिल्म की शूटिंग जून, 2026 से शुरू की जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि श्रद्धा इस भूमिका के लिए उपयुक्त मानी जा रही हैं और टीम ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थी, जो स्टार पावर के साथ मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस भी लेकर आए। निर्माताओं को उम्मीद है कि विक्की और श्रद्धा की जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी।

गौरतलब है कि इस फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री के तौर पर पहले दीपिका पादुकोण का नाम भी चर्चा में था। खबरें थीं कि निर्माता उनके साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अब फिलहाल ध्यान श्रद्धा कपूर पर केंद्रित होता दिख रहा है। श्रद्धा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वह आने वाले समय में बायोपिक फिल्म 'ईथा' में नजर आएंगी, जिसे लेकर भी दर्शकों में खासा उत्साह है।